संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 180
पृष्ठ 8
शनिवार
21 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आंवला और शहद साथ में खाने से...

विचार- कहां गुम हो गया वो भारत

खेल- संभावित खिलाड़ियों की तलाश...

प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई, कहा-

दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि

के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं। थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी भूमजईथाई ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं। अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी शिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शनश की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था।

वृंदावन में राष्ट्रपति बोलीं- कैंसर सबसे बड़ी चुनौती

आत्मनिर्भर भारत तभी संभव जब नागरिक स्वस्थ हों

मथुरा,संवाददाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को वृंदावन में मथुरा मार्ग स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम के सचिव सुप्रकाश आनंद एवं सह सचिव कालीकृष्णानंद ने बुके देकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का लोकार्पण किया। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ हों। उन्होंने कहा कि आज कैंसर स्वास्थ्य से जुड़ी सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय

पर पता चलना और उच्च-स्तरीय इलाज मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। लेकिन, कुछ परिवारों के लिए ऐसा लगता है कि उनकी आर्थिक परिस्थितियों के कारण, इस बीमारी का इलाज करवाना असंभव है। इसके बाद राष्ट्रपति वृंदावन स्थित नींव करौरी बाबा आश्रम पहुंचीं। राष्ट्रपति का आश्रम में आगमन देवी मंदिर की ओर से हुआ, जहां पर उनका स्वागत राधाकृष्ण पाठक, देवेन्द्र कुमार शर्मा और सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन संदीप भटेले ने किया। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हनुमान मंदिर के दर्शन किए। राष्ट्रपति ने मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की। हनुमान मंदिर की परिक्रमा लगाई। हनुमान मंदिर पर रामरूप पुजारी एवं टीसी शर्मा ने पूजा संपन्न कराई।

मुख्यमंत्री योगी बोले-

खौफ अपराधियों में हो, जनता में नहीं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में चैत्र नवरात्र, ईद और रामनवमी जैसे बड़े त्योहारों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह एक्शन मोड में आ गए हैं। एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने साफ चेतावनी दी है कि प्रदेश की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 10 संवेदनशील जिलों-बदायूं, मुरादाबाद, रामपुर, गाजियाबाद, जालौन, गोरखपुर, आगरा, जौनपुर, प्रतापगढ़ और प्रयागराज के अधिकारियों से हालिया घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने दो टूक कहा कि अपराध की एक भी छोटी घटना पूरे शहर का माहौल बिगाड़ सकती है, इसलिए हर शिकायत पर पुलिस का रिस्पांस बुलेट की रफ्तार से होना चाहिए।

त्योहारों पर नो कॉम्प्रोमाइज, नई परंपरा की इजाजत नहीं

आने वाले पर्वों को लेकर सीएम योगी ने सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं-

– धार्मिक आयोजनों में किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी। जो पहले से चला आ रहा है, वही होगा।

– देवी मंदिरों में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, पेयजल और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

– सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार लाउडस्पीकर की आवाज परिसर के बाहर नहीं जानी चाहिए। नियम टूटने पर उन्हें तुरंत हटाने के आदेश दिए गए हैं।

– सड़कों पर बाइक स्टंट करने वाले और हुड़दंगियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया है।

आम जनता को राहत– गैस सप्लाई और गोवंश पर नजर

मुख्यमंत्री सिर्फ सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रहे, उन्होंने आम जनता की जरूरतों का भी ख्याल रखा। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय हालात चाहे जो भी हों, यूपी में स्च्ळ गैस की किल्लत नहीं होनी चाहिए। जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों को सीधे जेल भेजा जाए। साथ ही, उन्होंने गो-आश्रय स्थलों में चारे और पानी की व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

6 साल बाद तिहाड़ जेल से बाहर आया शरजील इमाम

नई दिल्ली,एजेंसी। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी कार्यकर्ता शरजील इमाम शुक्रवार को लगभग छह साल बाद जेल से रिहा हो गए। दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें 10 दिनों की अंतरिम जमानत दी थी। अदालत ने इमाम को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी ताकि वे अपने भाई की शादी में शामिल हो सकें और अपनी बीमार मां की देखभाल कर सकें। दिल्ली की तिहाड़ जेल से इमाम को गेट नंबर 3 से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद उन्हें एक कार में बिठाकर ले जाया गया। इमाम की रिहाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा जनवरी में इसी मामले में उन्हें और सह-आरोपी उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने के कुछ हफ्तों बाद हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने तब टिप्पणी की थी कि अभियोजन पक्ष ने प्रथम दृष्टया मामला स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश किए हैं, जो एक बड़ी साजिश में उनकी कथित संलिप्तता को दर्शाता है।

एलपीजी संकट पर सरकार बोली-

अफवाहों पर विश्वास न करें, अपने सिलिंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें

नई दिल्ली,एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही है। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस दिशा में पहल करने वाले राज्यों को अतिरिक्त 10प्रतिशत एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है। 13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग्स में लगभग 93 प्रतिशत की बुकिंग ऑनलाइन है। उनकी डिलिवरी की जा रही है। पैनिक बुकिंग कम हुई है। कल 55 लाख बुकिंग हुई है। सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध है। पिछले एक हफ्ते में 11300 टन कमर्शियल एलपीपी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस सप्लाई का 50 प्रतिशत शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों को मिला है।

लगभग 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। जिला निगरानी समिति भी काम कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों में लगभग 4500 जगहों पर छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 1100 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी 1800 जगहों पर सरप्राइस इंस्पेक्शन किया है। एलपीजी के बारे में यही कहना है कि स्थिति अब भी चिंताजनक है, लेकिन उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें और वैकल्पिक ईंधन का अधिक से अधिक उपयोग करने की कोशिश करें। पोत परिवहन व जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि पिछले 24

घंटे में समुद्र से कोई अप्रिय घटना नहीं है। डीजी शिपिंग की लगातार मॉनिटरिंग लगातार जारी है। खाड़ी क्षेत्र में फंसे हमारे सभी 22 जहाज और 6 से अधिक नाविकों में सभी सुरक्षित है। पिछले 24 घंटों में हमारी हेल्पलाइन पर करीब सवा सौ कॉल और 200 से अधिक ईमेल आए। पिछले 24 घंटों के दौरान 25 भारतीयों को अभियान चलाकर भारत वापस लाया गया। देश के किसी भी पोर्ट पर कहीं कोई कंजेशन की स्थिति नहीं है। कार्गो के संचाल और कार्गो की आवाजाही में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। न्यू मंगलोर पोर्ट ने क्रूड और एलपीजी के कार्गो से जुड़े चार्ज के वेवर के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। ये 14 मार्च से 31 मार्च तक वैध है। प्रेस वार्ता के दोरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने कल दुनिया के पांच नेताओं से बात की। उन्होंने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की।

हर मामले के लिए सुप्रीम कोर्ट आना सही नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। परिवार से सुरक्षा की गुहार लगाने वाले एक प्रेमी जोड़े को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया। जोड़े ने सोशल मीडिया रीलों से प्रभावित होकर यह गलत धारणा बना ली थी कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट परिसर में ही शादी करने से तत्काल सुरक्षा मिल जाएगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने वकील से कहा कि वे राहत के लिए उच्च न्यायालय का रुख करें। जोड़े के वकील ने बताया कि उन्हें यह युवा जोड़ा शीर्ष अदालत की पार्किंग में मिला था। वकील के अनुसार, जोड़े को अपने परिवारों से गंभीर नुकसान का डर था, क्योंकि उनके माता-पिता उनके रिश्ते के लिए उन्हें कड़ी सजा देना चाहते थे। वकील ने जोड़े को सहायता के लिए तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन भी पहुंचाया। हालांकि, वकील ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सुरक्षा देने के बजाय उन्हें हिरासत में लेने का प्रयास किया। मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले का उल्लेख होने पर सवाल किया कि आखिर क्यों याचिकाकर्ता ऐसे मामलों में उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र को दरकिनार करते हैं। उन्होंने पूछा, अनुच्छेद 226 के अधिकार क्षेत्र के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों? मुख्य न्यायाधीश ने कड़ाई से कहा कि उच्च न्यायालय ऐसे आवेदनों से निपटने के लिए सशक्त हैं। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के रूप में उन्होंने ऐसे कई मामलों को संभाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उच्च न्यायालय राहत प्रदान करने में विफल रहता है, तो पक्ष सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं।

केरल में राहुल गांधी बोले-

मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार

नई दिल्ली,एजेंसी। केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल

हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे।

उन्होंने विश्वास जताया कि केरल जीतेगा और यूडीएफ नेतृत्व करेगा। राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस की ओर से 92 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के एक दिन बाद आया है।

नागपुर में बोले संघ प्रमुख

युद्ध स्वार्थ का नतीजा, दुनिया को संघर्ष नहीं सद्भाव चाहिए

नागपुर,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में बढ़ते तनाव को लेकर बयान दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आखिर क्यों दुनिया में शांति नहीं हो पा रही है। भागवत ने स्वार्थ और दूसरों पर काबू पाने की इच्छा को इन विवादों की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि जब तक लोग अपनी सोच नहीं बदलेंगे, तब तक शांति संभव नहीं है। भारत के प्राचीन ज्ञान को उन्होंने दुनिया की समस्याओं का समाधान बताया। उनका कहना है कि पूरी दुनिया को एक परिवार की तरह देखना ही सुख का रास्ता है। आरएसएस प्रमुख शुक्रवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के नए दफतर के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

बधाई संदेश

ईद के शुभ अवसर पर प्रबुद्ध पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिन्तकों को समाचार पत्र परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

ईद के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक 23 मार्च को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

जल्द आ सकती है 23 हजार से अधिक पदों पर नई शिक्षक भर्ती, शुरू हो सकती है प्रक्रिया

प्रयागराज। लंबे समय से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए खुशखबरी है। हजारों रिक्त पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। पोर्टल के जरिये डाटा संग्रह और अधियाचन मिलने के बाद शिक्षा सेवा चयन आयोग किसी भी समय नई वैकेंसी जारी कर सकता है। लंबे समय से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए खुशखबरी है। हजारों रिक्त पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के संकेत मिल

रहे हैं। पोर्टल के जरिये डाटा संग्रह और अधियाचन मिलने के बाद शिक्षा सेवा चयन आयोग किसी भी समय नई वैकेंसी जारी कर सकता है। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार के अनुसार, इसी महीने से रिक्त पदों का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। प्रदेश के 4512 एडेड माध्यमिक विद्यालयों और 330 एडेड महाविद्यालयों से ऑनलाइन जानकारी ली जाएगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में नई भर्तियों की तैयारी में जुट गया है। भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए आयोग ने रिक्त पदों की सूचना एकत्र करने हेतु नया पोर्टल तैयार कर लिया है। वर्तमान स्थिति के अनुसार माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी–पीजीटी के 23,000 पद रिक्त हैं। जबकि महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर व प्राचार्य के 1200 पद खाली हैं। आयोग का कहना है कि जैसे ही विभाग से अधियाचन प्राप्त होगा, पदों का परीक्षण कर नई भर्ती का विज्ञापन जारी किया जाएगा। इन पदों के लिए 2022 में आवेदन लिए गए थे, लेकिन इसके बाद से नई भर्ती नहीं आई है। हालांकि, ये भर्ती परीक्षाएं अभी फाइनल नहीं हो सकी हैं।

दोहरे हत्याकांड में महेश उर्फ मुन्ना की उम्रकैद की सजा बरकरार

प्रयागराज। वाराणसी के भेलपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में दो व्यक्तियों की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोषियों की सजा बरकरार रखी है। ट्रायल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वाराणसी के भेलपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में दो व्यक्तियों की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोषियों की सजा बरकरार रखी है। ट्रायल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फैसले को दोषियों ने हाईकोर्ट

में चुनौती दी थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी। महमूरगंज के रहने वाले काशीनाथ के तीन पुत्रों में भोला यादव (52) सबसे बड़ा था। दूसरे नंबर पर गनेश और सबसे छोटा महेश यादव उर्फ मुन्ना यादव था। घर में जमीन के विवाद को लेकर कई बार पंचायत हुई। पंचायत में लोगों ने जमीन भोला का होना बताया, लेकिन बाउंड्री करने देने पर मुन्ना राजी नहीं था। रविवार को भी पंचायत के लिए लोग जुटे थे जहां प्रापर्टी डीलर भोला का भाई महेश उर्फ मुन्ना यादव और हड़हा निवासी रिश्तेदार विनोद यादव (45) आदि भी मौजूद थे। पंचायत के दौरान बाउंड्री कराने की बात को लेकर बात बढ़ गई और दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद के दौरान प्रापर्टी डीलर का सबसे छोटे भाई मुन्ना यादव जो कई बार आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। बाउंड्री नहीं करने देने पर अड़ गया। दोनों पक्षों में इसी को लेकर गोलियां चल गईं। जिसमें भोला और विनोद घायल हो गए। पुलिस ने अनुसार विनोद थाने का हिस्ट्रीशीटर था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को समीप के एक निजी चिकित्सालय में भेजा। जहां डाक्टरों ने भोला और विनोद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

जार्जटाउन में घर में घुसकर 12वीं की छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा से घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। जौनपुर के गांव सिकरारा मोमिनपुर कला निवासी आरोपी विकास कुमार यादव (30) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा से घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। जौनपुर के गांव सिकरारा मोमिनपुर कला निवासी आरोपी विकास कुमार यादव (30) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। मूलरूप से अंबेडकरनगर की रहने वाली 17 वर्षीय छात्रा जार्जटाउन थाना क्षेत्र में अपने चाचा–चाची के साथ रहकर इंटर की पढ़ाई कर रही है। बुधवार को उसके चाचा–चाची कहीं गए थे और वह घर पर अकेली थी। आरोप है कि छात्रा को घर में अकेला देखकर आरोपी विकास उसके कमरे में घुस गया और उससे दुष्कर्म किया। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी छिप गया और मौका देखकर फरार हो गया। इसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी पीड़िता के घर वालों को दी। मामला जार्जटाउन थाने पहुंचा तो पुलिस एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। बृहस्पतिवार को पुलिस टीम ने आरोपी को केपी ग्राउंड स्थित अस्थायी बस अड्डे के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी विकास ने बताया कि वह यहां रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। वहीं, जार्ज टाउन थाना प्रभारी रोहित तिवारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ईद व नवरात्र के बावजूद भी नहीं हुई सफाई

प्रयागराज। स्थानीय कस्बे सहित कई मोहल्ले में इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ईद तथा नवरात्र जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के होने के बावजूद भी सफाई नहीं होने से शेखना मोहल्ला, पूरब टोला व गौरैया मंदिर के निकट कूड़े का ढेर लगा है। यह देखते हुए मोहल्ला निवासी मिट्ठू लाल ने बृहस्पतिवार दोपहर खुद फावड़ा आदि लेकर नाली की साफ– सफाई की।

बादलों की गर्जना के साथ जिले में हुई झमाझम बारिश, बिजली गिरने से किसान की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार सुबह हुई झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया, लेकिन शहर से गांव तक परेशानी भी बढ़ गई। कई इलाकों में जलभराव हुआ, जबकि आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई।

प्रयागराज में शुक्रवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह साढ़े छह बजे हुई झमाझम बारिश से मौसम खुशगवार हो गया। बादलों की तेज गर्जना के साथ हुई बारिश से सड़कों के साथ गली मुहल्लों में जल जमाव हो गया। बिजली गिरने से ग्रामीण इलाकों में एक किसान की मौत हो गई। उसका बेटा गंभीर रूप से झुलस गया है। कई मवेशी भी असमय काल के गाल में समा गए हैं। बारिश जिले के अधिकांश स्थानों पर हुई। दिन पर सूर्य के दर्शन नहीं हुए। दोपहर में भी बूंदाबांदी होती रही।

शहर के कालिंदीपुर, अल्लापुर, दारागंज, सिविल लाइंस, कटरा, जानसेनगंज, अलोपीबाग, धूमनगंज, नैनी, झूंसी, फाफामऊ, अटाला, चौक आदि इलाकों में झमाझम बारिश हुई। सोरांव, नवाबगंज, शंकरगढ़, जसरा, मेजा, मांडा, कोरांव, करछना, फूलपुर, लालगोपालगंज, मऊआइमा, सोरांव, सहसों, हंडिया, प्रतापपुर, बरौत, जंघई आदि इलाकों में बरसात हुई। कई

दिनों से मौसम की चेतावनी की के बाद शुक्रवार को बरसात से मौसम का रुख बदल गया। किसानों को बारिश से काफी नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। अरहर और गेहूं की फसल के चौपट होने की आशंका से किसान परेशान हैं।

सहसों में बिजली गिरने से किसान की मौत

सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत चकिया घरहरा गांव में बिजली गिरने से संग्राम सिंह यादव (58) की मौके पर मौत हो गई। उनका बेटा ज्ञान सिंह यादव भी झुलस गया है। जिसका इलाज शहर के हॉस्पिटल में चल रहा है। बिजली की चपेट में आने से दो गायों की भी मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शुक्रवार को जिले में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह करीब साढ़े छह बजे तेज गर्जना के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। बारिश से मौसम खुशगवार हो गया और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली, लेकिन शहर से लेकर गांव तक इसका असर दिखाई दिया। तेज बारिश के चलते चौक, रोशनबाग, अटाला, जानसेनगंज, मुट्ठीगंज समेत कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया है। ईद की खरीदारी और अलविदा जुमे की नमाज पढ़ने के लिए जाने वालों को काफी दिक्कत हुई।

बारिश जिले के अधिकांश हिस्सों में हुई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और सूर्य के दर्शन नहीं हुए। दोपहर में भी रुक–रुक कर बूंदाबांदी होती रही। मौसम में आई नरमी से तापमान में गिरावट महसूस की गई। बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं जलभराव और बिजली गिरने की घटनाओं ने चिंता भी बढ़ा दी। खराब मौसम के बीच लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट से असंतुष्ट छात्रों का राज्य विवि परिसर में प्रदर्शन जारी, फेल करने से हैं नाराज

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के छात्रों का धरना प्रदर्शन विवि परिसर में शुक्रवार को भी जारी है। इसके पहले छात्रों ने मिर्जापुर राजमार्ग पर विवि प्रशासन का पुतला फूंका।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के छात्रों का धरना प्रदर्शन विवि परिसर में शुक्रवार को भी जारी है। इसके पहले छात्रों ने मिर्जापुर राजमार्ग पर विवि प्रशासन का पुतला फूंका। पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम में बैक और फेल करने से नाराज छात्र–छात्रा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे लेकर कुलपति द्वारा रिव्यू कमेटी गठित की गई थी। प्रदर्शन करने वाले छात्र अब अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए हैं।

स्नातक व परास्नातक का परीक्षा परीणाम बीते एक मार्च को आया था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों को बैक या फेल कर दिया गया था। इसे लेकर छात्रों ने बीते सात और 13 मार्च को भी प्रदर्शन किया था। सात मार्च के प्रदर्शन के बाद कुलपति ने रिव्यू कमेटी गठित की थी।

कमेटी परिणाम की पुनरीक्षण किया और बुधवार को अपनी रिपोर्ट दी। इसमें फेल या बैक हुए लगभग 10 प्रतिशत छात्रों को राहत मिली। इसकी जानकारी होते ही छात्र बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय

के मुख्य गेट पर विवि प्रशासन का पुतला फूंकने का प्रयास किया, जिससे कुछ देर के लिए मिर्जापुर मार्ग पर जाम लग गया था। पुलिस के पहुंचने पर छात्र वहां से प्रशासनिक भवन पर पहुंचे और धरने में बैठ गए। यहां छात्रों ने मांग न पूरी होने तक धरना जारी रखने का निर्णय लिया गया। छात्रों के आंदोलन को देखते हुए नैनी और औद्योगिक क्षेत्र की पुलिस परिसर में तैनात रही।

विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन को लेकर पुलिस द्वारा छात्रों को बीएनएसएस 168 के तहत नोटिस जारी किया गया है।

चेतावनी दी गई है कि कानून व्यवस्था बिगड़ती है कोई संज्ञेय घटना होती है तो छात्र जिम्मेदार होंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रात में दो बजे पुलिस ने प्रदर्शनकारी 35 छात्रों को नोटिस जारी किया है। थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र की ओर से कौंधियारा थाना क्षेत्र के तेंदुई निवासी शिवांशु द्विवेदी पुत्र संतोष कुमार समेत 35 छात्रों को जारी नोटिस में कहा गया है कि विश्वविद्यालय परिसर और उसके बाहर अराजकता पूर्वक तोड़फोड़, सड़क जाम और पुतला दहन की योजना बनाई जा रही है। इससे लोकशांति होने की प्रबल संभावना है। किसी भी छात्र को हानि पहुंचती है तो उसके लिए प्रदर्शनकारी छात्र जिम्मेदार होंगे। नोटिस उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व गौरैया दिवसः गौरैया की फिर सुनाई देगी चहचहाहट, दाना–पानी व घोंसलों से बना अनुकूल माहौल

प्रयागराज। कभी हर आंगन और छत की पहचान रही गौरैया अब धीरे–धीरे फिर लौटती नजर आ रही है। पर्यावरण प्रेमियों और विशेषज्ञों के मुताबिक, सामूहिक प्रयासों से इस चिड़िया की संख्या में सुधार हो रहा है। कभी हर आंगन और छत की पहचान रही गौरैया अब धीरे–धीरे फिर लौटती नजर आ रही है। पर्यावरण प्रेमियों और विशेषज्ञों के मुताबिक, सामूहिक प्रयासों से इस चिड़िया की संख्या में सुधार हो रहा है। हालांकि, गिनती न होने के कारण कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है लेकिन, सुधार की बात हर कोई मान रहा है। लोग मानते हैं कि चिड़िया के रूप में पूर्वज आकर घर–परिवार का हाल–चाल लेते हैं। साथ ही सुबह–सुबह गौरैया की चहचहाहट को शुभ माना जाता है।

बीते कुछ वर्षों में शहरीकरण, पेड़ों की कटाई और बदलती जीवनशैली के कारण गौरैया लगभग लुप्त सी हो गई थी। कंक्रीट के जंगल में उसे घोंसला बनाने की जगह नहीं मिल रही थी और कीटनाशकों के कारण उसका भोजन भी कम हो गया था। अब हालात बदलते दिख रहे हैं। गांवों के साथ शहरों में भी लोग अपने घरों की बालकनी और छत पर दाना पानी रखने लगे हैं। साथ ही, कृत्रिम घोंसले (नेस्ट बॉक्स) लगाने की पहल भी बढ़ी है।

पक्षी विशेषज्ञों का कहना है कि जहां हरियाली और पानी की उपलब्धता बढ़ी है, वहां गौरैया की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। यह सकारात्मक संकेत है। मान्यता है कि यदि घर में गौरैया आकर घोंसला बनाती है तो यह लक्ष्मी के आगमन और घर में सुख–शांति का संकेत होता है। ऐसे घर को समृद्ध और सुरक्षित माना जाता है। कुछ जगहों पर गौरैया को पितरों (पूर्वजों) का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय निवासी रामलाल बताते हैं कि लोगों में बढ़ती जागरूकता और दाना–पानी रखने की पहल से गौरैया की वापसी संभव हो रही है।

बाजार में बढ़ी घोंसलों की मांग

अंदावा झूंसी स्थित कुसा होम डेकोर शॉप चलाने वाले कुमार शांतनु सिंह ने बताया कि गौरैया के लिए रेडीमेड घोंसले आमतौर पर 250 से 500 रुपये तक में उपलब्ध हैं। लोगों में जागरूकता बढ़ने के साथ इनकी मांग भी तेजी से बढ़ी है। घरों और बालकनी में इन्हें लगाने का चलन बढ़ रहा है।

सोशल मीडिया ने भी निभाई अहम भूमिका

फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर लोग अपने घरों में दाना–पानी रखने, घोंसले लगाने और गौरैया से जुड़ी तस्वीरें साझा करते हैं। इन्हें देखकर दूसरे लोग भी प्रेरित होते हैं और इस मुहिम से जुड़ते हैं। यही वजह है कि हर साल इस दिन बड़ी संख्या में लोग गौरैया को बचाने के लिए आगे आते हैं।

गौरैया को बचाने के लिए उनके खाने पीने व रहने के लिए बॉक्स बनवा कर घरों की छत व मुंडेर पर स्थापित करने की जरूरत है। गौरैया पर्यावरण के साथ हमारी फसलों के लिए भी लाभदायक है, क्योंकि ये फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े–मकोड़ो को चुन कर खा कर जाती हैं।– दिव्या सिंह, शोध छात्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

बच्चा ही सच्चा गवाह, जघन्य हत्या के दोषियों की उम्रकैद बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुलंदशहर में संपत्ति विवाद में चाची का सिर कलम कर पेड़ से लटकाने के दोषी भतीजे व उसके दो बेटों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। ट्रायल कोर्ट ने फैसले में मृतका के सात वर्षीय पोते की गवाही को महत्वपूर्ण माना था, जिस पर हाईकोर्ट ने भी मुहर लगाई और कहा कि बच्चा ही सच्चा गवाह। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुलंदशहर में संपत्ति विवाद में चाची का सिर कलम कर पेड़ से लटकाने के दोषी भतीजे व उसके दो बेटों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। ट्रायल कोर्ट ने फैसले में मृतका के सात वर्षीय पोते की गवाही को महत्वपूर्ण माना था, जिस पर हाईकोर्ट ने भी मुहर लगाई और कहा कि बच्चा ही सच्चा गवाह।

यह फैसला न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की अदालत ने सजायाफ्ता लखमी और उसके दो बेटों लंगूरी व योगेश की ओर से ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील खारिज करते हुए सुनाया है। बुलंदशहर के डिबाई थाना क्षेत्र में 30 दिसंबर 2011 को लखमी ने बेटों के साथ मिलकर अपनी चाची चमेली देवी पर उस वक्त हमला किया था, जब वह अपने सात साल के पोते कृष्ण कुमार के साथ खेत से लौट रही थीं। लखमी जमीन के टुकड़े में हिस्सा चाहता था, जिसे उसके चाचा ने अपने दूसरे भतीजे के नाम कर दिया था।

अभियोजन के मुताबिक, सभी ने चमेली देवी को जमीन पर गिराकर सिर कलम कर जामुन के पेड़ से लटका दिया। इसके बाद मृतका का पेट भी चीर दिया था। हमले के दौरान मासूम पोते को भी गोली लगी थी। घटना के बाद लखमी खून से सना हथियार लेकर शव के पास नाच रहा था, जिसे पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट ने चश्मदीद गवाह के रूप में पेश पोते की गवाही के आधार पर दोषी करार देते हुए तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

इसके खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे दोषियों ने पोते की गवाही पर सवाल उठाए। कहा कि घटना के वक्त कम उम्र के कारण बच्चा घटना को समझने में सक्षम नहीं था। गवाही के दौरान उसके बयान में कई विसंगतियां थीं। लिहाजा उसकी गवाही मान्य नहीं है। कोर्ट ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि इस क्रूर घटना के वक्त मौजूद बच्चा ही सच्चा गवाह है। बच्चे अपनी आंखों के सामने होने वाली असामान्य और भयानक घटनाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। जीवन भर ऐसी घटनाओं को नहीं भूलते। यदि उसकी गवाही में स्वाभाविकता है और वह बिना किसी दबाव या सिखाए–पढ़ाए गवाही दे रहा है, तो उसकी गवाही को केवल कम उम्र के आधार पर नकारा नहीं जा सकता।

एक बात झूठ तो सब झूठ का सिद्धांत इस मामले में लागू नहीं होता। यदि गवाह की छोटी–मोटी बातों में विसंगतियां हैं तो भी उसकी मुख्य और सत्य गवाही के आधार पर सजा दी जा सकती है। –हाईकोर्ट

गंगा एक्सप्रेस वे और इनर रिंग रोड के आसपास नई टाउनशिप की तैयारी

प्रयागराज। गंगा एक्सप्रेस वे और इनर रिंग रोड के आसपास प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) नई टाउनशिप बसाने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इससे पहले पीडीए की सीमा का विस्तार होगा जिसके लिए बृहस्पतिवार को आयोजित पीडीए बोर्ड की बैठक में सहमति बन चुकी है। गंगा एक्सप्रेस वे और इनर रिंग रोड के आसपास प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) नई टाउनशिप बसाने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इससे पहले पीडीए की सीमा का विस्तार होगा जिसके लिए बृहस्पतिवार को आयोजित पीडीए बोर्ड की बैठक में सहमति बन चुकी है। सीमा विस्तार के लिए अगले माह सर्वे शुरू कराया जा सकता है। गंगा एक्सप्रेस वे और इनर रिंग रोड के आसपास प्लॉटिंग तेजी से बढ़ी है। पिछले दिनों पीडीए ने रिंग रोड के आसपास कई जगह हो रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया था। पीडीए केवल अपने सीमा क्षेत्र में ही अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। सीमा विस्तार होने के बाद कार्रवाई का दायरा भी बढ़ जाएगा और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी।

खास बात यह है कि सीमा विस्तार के बाद पीडीए को अपना लैंड बैंक बढ़ाने के लिए कई नए विकल्प मिलेंगे और नई आवासीय योजनाओं के लिए रास्ते खुलेंगे। पीडीए का सीमा विस्तार 2008 के बाद से नहीं हुआ है और 25 वर्षों से पीडीए किसी नई आवासीय योजना पर काम भी शुरू नहीं कर सका है। शहर में भी जमीन बची नहीं है। ऐसे में सीमा विस्तार होने से आवासीय योजनाओं का दायरा बढ़ेगा। पीडीए बोर्ड की ओर से सीमा विस्तार के लिए परीक्षण कर नियमानुसार प्रस्ताव तैयार करने के लिए हरी झंडी दी जा चुकी है। हालांकि, इसके लिए सबसे पहले सर्वे कराया जाएगा। पीडीए के सूत्रों का कहना है कि अगले माह सर्वे की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। सीमा विस्तार होने से पीडीए की आय में भी बढ़ोतरी होगी। पीडीए बोर्ड की बैठक में शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा की गई है। नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश सरकार की ओर से 50 फीसदी अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। पीडीए उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि सीमा विस्तार के लिए सर्वे के साथ इस योजना पर भी पीडीए जल्द काम शुरू करेगा।

उमड़ा भक्तों का रेला, विंध्याचल और मैहर जाने वालीं ट्रेनें फुल

प्रयागराज। चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही संगमनगरी से देवी धामों की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बुधवार रात से ही प्रयागराज जंक्शन पर मैहर और विंध्याचल जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ जुटने लगी।

चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही संगमनगरी से देवी धामों की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बुधवार रात से ही प्रयागराज जंक्शन पर मैहर और विंध्याचल जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ जुटने लगी। स्टेशन परिसर जय माता दी के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस बीच रोडवेज ने भी मोर्चा संभालते हुए बसों के फेरे बढ़ा दिए। प्रयागराज से विंध्याचल और मैहर की ओर जाने वालीं लगभग सभी ट्रेनें फुल चल रही हैं। स्लीपर तो दूर, जनरल कोच में भी पैर रखने की जगह नहीं है। लोग गेट पर लटककर सफर करने को मजबूर दिखे। रेलवे प्रशासन को भीड़ नियंत्रित करने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (रोडवेज) ने श्रद्धालुओं की राह आसान करने के लिए कमर कस ली है। बृहस्पतिवार सुबह विंध्याचल के लिए प्रत्येक 15 मिनट पर बसों का संचालन किया गया। हालांकि, दोपहर के समय यात्रियों की संख्या में कुछ कमी आने पर 30 मिनट के अंतराल पर बसें चलाई जाने लगीं। अधिकांश बसों का संचालन लेप्रोसी नैनी से हुआ। कुछ बसों की रवानगी जीरोरोड बस स्टेशन के बाहर से भी हुई। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अफसर व कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी यात्री को स्टेशन पर ज्यादा देर तक इंतजार न करना पड़े।

आनन्दमार्ग संघ और संस्कृत विभाग के मध्य हुआ एमयूओ

प्रयागराज। रेनेसां यूनिवर्सल आनन्द मार्ग प्रचारक संघ कलकत्ता पश्चिम बंगाल एवं प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, संस्कृत विभाग के मध्य (एम ओ यू हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से गुरुवार को प्रचारक संघ के केन्द्रीय सचिव

आचार्य दिव्यचेतनानन्द अवधूत तथा संस्कृत विभाग के समन्वयक, सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इसके अन्तर्गत पारस्परिक सहयोग से संगोष्ठी, कार्यशाला, चिन्तन शिविर, गोष्ठी, सामाजिक जागरूकता विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त, अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, संस्कृत विभाग के प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा, डॉ. पूजा सिंह ने एम ओ यू समझौता होने पर प्रसन्नता अभिव्यक्त की है।

बजट प्रश्नोत्तरी का परिणाम घोषित

प्रयागराज। बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के संविधान एवं राजनीति मंच द्वारा मार्च 20, 2026 को बजट प्रश्नोत्तरी का परिणाम घोषित किया है, जिसमे पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र विशाल यादव ने 23/25 अंक प्राप्त कर प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त

किया। 18 मार्च 2026 को बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के संविधान एवं राजनीति मंच द्वारा बजट पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस अंतर्गत छात्रों को कुल 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए।

यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में तथा समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें सभी सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया और मंच भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करने की योजना बना रहा है। प्रश्नों का निर्माण डॉ. अनुश्री पांडेय द्वारा किया गया। इस मंच द्वारा अगली प्रश्नोत्तरी 30 मार्च 2026 को ष्संसदीय एवं राष्ट्रपति शासन प्रणालीष् विषय पर आयोजित की जाएगी।

आरेडिका में अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव का भव्य आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 21.03.2026 से 25.03.2026 तक अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव का भव्य आयोजन रेलवे बोर्ड के तत्वावधान एवं आरेडिका राजभाषा विभाग के सौजन्य से होने जा रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे, प्रशिक्षण संस्थानों एवं उत्पादन इकाइयों की 21 टीमों के रेलवे नाट्य कर्मी तथा रेलवे बोर्ड राजभाषा निदेशालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित कुल 350 लोग शामिल होगें।

ज्ञात हो कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए प्रत्येक वर्ष अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव (आधार वर्ष 2025) के आयोजन का अवसर आरेडिका को प्रदान किया गया है। महाप्रबंधक विवेक खरे ने प्रतियोगिता में विभिन्न रेलवे के प्रतिभागियो को शुभकामनाएं दी।

आरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र ने बताया कि आगुन्तक प्रतिभागियों और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के लिए आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा परिवहन, आवास एवं भोजन आदि की समुचित व्यवस्था की गयी है।

खिलाड़ियों के उचित मार्गदर्शन हेतु टीमें बनायी गयी हैं, जिससे आगुन्तक को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और नाट्योत्सव का सफल अयोजन हो सके। आरेडिका के राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन ने बताया कि अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के लोगों को मिलाकर एक प्रबंधन टीम बनायी गयी हैं, ताकि व्यवस्थाओं का सुचारू रुप से संपन्न कराया जा सके।

त्रई साधना से मानवता को सुगंधित करना संभवः डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि त्रई साधना से मानवता को सुगंधित किया जा सकता है।

गुरुवार की सुबह स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ, पिठापुरम के नए आश्रम परिसर में आयोजित पराभव नाम संवत्सर नामा उगादि तेलुगु नववर्ष महासभा में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने दीप प्रज्ज्वलित कर उगादि महासभा का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए, पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि लोगों को माता–पिता का सम्मान करते हुए, समाज में मानवीय मूल्यों के साथ गुरु के दर्शन की साधना करते हुए, व्यक्ति को सुख, आनंद, संतोष और मन की शांति प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं और कठिनाइयों को दूर करने के लिए, आध्यात्मिक और दार्शनिक ज्ञान की दवा के माध्यम से मानसिक शक्ति और साहस को विकसित कर भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहिए।

सभा में उपस्थित हजारों लोगों को उगादि का प्रसाद प्रदान किया गया। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा स्थापित छाछ शीतलीकरण केंद्र का उद्घाटन किया। प्रख्यात गीताअवधानी श्री येरमसेट्टी उमा महेश्वर राव ने पंचांग का वाचन कर ज्योतिष के सभी 12 राशियों के नव वर्ष

के राशिफल की व्याख्या की।

इस अवसर पर उमा चंद्रशेखर, उमा श्री रम्या व यशस्वी नागा उमा ने तात्विक बल विकास के माध्यम से भाषणों से श्रोताओं का मनोरंजन किया। दार्शनिक युवा विकास के माध्यम से कुमारी काटेड्डी अजी मुन्निशा ने अपना अनुभव बताते हुए सभा को छोटा प्रयास और बड़े आशीर्वाद की महिमा समझाई।

आदिवासी कल्याण प्रोग्राम में, उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की सेवाएं लंबाडा जनजाति की आदिवासी महिलाएं कट्टा लक्ष्मी और श्रीमती बनवथु बापनम्मा सोनी ने कीर्तन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कोया जनजाति की कुमारी सोडेम मंगम्मा और श्रीमती काकी वेंकट लक्ष्मी को स्वामी ने शॉल और पौधे देकर सम्मानित किया। पत्रकार डॉ. सुनील कुमार यंद्रा पीठाधिपति ने मंदिर के प्रमुख डॉ. उमर अली शाह को उनकी सेवाओं की तारीफ़ करते हुए एक अभिनंदन पत्र प्रदान किया।

उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से एक छात्र को 70,000 रुपये की छात्रवृत्ति, राजमहेंद्रवरम आश्रम को 50 कुर्सियों के लिए 32,500 रुपये का चेक, एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन, महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए एक इडली पॉट और पक्षियों के भोजन के लिए धान के गुच्छे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने भेंट किए। संगीत विभावरी कार्यक्रम में श्रीमती उमा मुकुंदा के समूह द्वारा गाए गए कीर्तनों ने दर्शकों को आनंदित कर दिया। मुरमल्ला श्री बनाला दुर्गा प्रसाद सिद्धांती ने पीठ के मुखिया डॉ. उमर अली शाह स्वामी को शॉल ओढ़ाकर गज माला पहनाकर सम्मानित किया और नए साल का कैलेंडर भेंट किया।

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने 90 लोगों को महामंत्र सिखाया जो गुरु मंत्र लेने में रुचि रखते थे। पीठ के संयोजक सर्वश्री पेरूरी सुरीबाबू, सेंट्रल कमेटी के सदस्य एवीवी सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा, डॉ. पिंगली आनंद कुमार, श्रीमती के. स्वर्णलता और अन्य लोगों ने इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

गरीबों की दिल खोल कर सहायता करें : मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ, (संवाददाता)। रमजानुल मुबारक के आखिरी जुमे को जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि खुदा के इंआमों में से एक इंआम रमजानुल मुबारक का महीना है जिसमें एक एक नेकी का सत्तर से सात सौ गुना तक अल्लाह तआला अपने बंदों को सवाब देता है, इससे नेकी की ऐसी फिजा और माहौल बन जाता है कि बंदे के दिल का झुकाव बुराई की तरफ कम और अच्छाई की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। इसी मुबारक महीने में रोज़े जैसे अहम्तरीन रुक्न–ए–इस्लाम को फर्ज किया कि इसका दिन रोज़े की हालत में गुज़ारा जायेगा, इस में रोज़ा रखने का बदला अपने लिए खास़ किया। इसका पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मग़फिरत और तीसरा अशरा जहन्नम से छुटकारा है। रमजानुल मुबारक के इस महीने में नेक अमल को आसान बनाने के लिए शैतानों को कैद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में तीन तरह के विषय हैं। एक अकीदा कि खुदा पाक पूरी दुनिया का मालिक है। उसने दुनिया को पैदा करके उसको दूसरों के हवाले नही कर दिया है बल्कि वह हर समय पूरी कायनात को अपनी मर्जी के मुताबिक़ चला रहा है। इस लिए हम सब को अपनी जरूरतें इसी एक मालिक के सामने रखनी चाहिएं। उसका बेहतरीन तरीका दुआ है। दुआ से बन्दे में खाक़सारी पैदा होती है जो खुदा पाक को बहुत पसंद है और दुआ न करने से तकब्बुर पैदा होता है जो

खुदा पाक को सबसे अधिक नापसंद है। मौलाना ने कहा कि इस माह की बहुत बड़ी बरकत है कि हम ने कुछ रातों में कुरान मजीद सुना। हम पर यह जिम्मेदारी है कि कुरान मजीद के अहकाम से वाकिफ हों। उसके हुकमों पर अमल करें। बाक़ी बचे हुए दिनों में फर्ज, सुन्नत, नवाफिल, तरावीह और तहज्जुद की पाबन्दी करें। शब–ए–कद्र का एहतिमाम करें। अपने माल की जकात निकालें, सदका फित्र अदा करें ताकि गरीब भी ईद की खुशियाँ हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि यह महीना हमदर्दी और गमख्वारी का महीना है। इस का हम अमली सुबूत दें।

काली पट्टी बांधकर अदा की गई अलविदा की नमाज, बारिश से बचने के लिए नमाजियों ने तानी पन्नी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज अलविदा (रमजान का आखिरी जुमा) की नमाज अदा की गई। अलविदा की नमाज शहर की सभी मस्जिदों में हुई। इरान–इजराइल के बीच चल रहे जंग के विरोध में बड़ा इमामबाड़ा में हाथ में काली पट्ष्टी बांधकर नमाज पढ़ी गई। ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में नमाज अदा की गई। बता दें कि पिछले शुक्रवार को भी अलविदा की नमाज पढ़ी गई थी, लेकिन 19 मार्च को चांद न दिखने की वजह से आज, 20 मार्च को ईद नहीं मनाई गई। आज फिर से अलविदा की नमाज अदा की गई। टीले वाली मस्जिद पर नमाज को लेकर खास तैयारी की गई। मस्जिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्नान

ने बताया कि यहां 370 सालों से अलविदा की नमाज अदा की जा रही है। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि अलविदा जुमा हमको यह एहसास करवाता है कि हमारे बीच से रमजान जा रहा है। यह आखिरी जुमा बेहद खास होता है हम सभी लोगों को इस खास दिन पर ज्यादा से ज्यादा दुआएं करना चाहिए। विशेष रूप से देश में अमन और शांति के लिए दुआ करनी चाहिए। मौलाना ने कहा कि रमजान के अंतिम दिनों में जरूरतमंद लोगों तक हमें पहुंचना चाहिए। ईद की तैयारी में उनकी मदद करते हुए आर्थिक सहयोग करना बेहद जरूरी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि उन लोगों की खुशियों में शामिल हो जो कमजोर और बेसहारा हैं। काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने वाले मीसम जैदी ने कहा कि हम लोगों के लिए गम का दिन चल रहा है। अमेरिका और इजरायल ने आतंकवादी हमला करके अयातुल्ला अली खामेनेई को शहीद कर दिया है। ईरान और गाजा में अमेरिका इजराइल का अत्याचार हो रहा है। गाजा को बमों से पाट दिया गया है। अब ईरान का नम्बर आया है। इसकी के विरोध में हम लोगों ने काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। ईद पर भी काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ेंगे। बड़ा इमामबाड़ा, टीले वाली मस्जिद और ईदगाह समेत शहर की विभिन्न मस्जिदों पर पुलिस का पहरा है। सोशल मीडिया की कड़ी निगरानी हो रही है। असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा है। संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग की जा रही है।

ईद पर बदला रहेगा पुराने लखनऊ का ट्रैफिक, 21 मार्गों का डायवर्जन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में ईद–उल–फितर के अवसर पर शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की जाती रही है। नमाज के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए 21 मार्गों का ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। डायवर्जन सुबह 6 बजे से आवश्यकतानुसार नमाज समाप्ति तक लागू रहेगा। सीतापुर रोड से वाहन डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग तिराहे के बजाय डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज से बाएं मुड़कर चौराहा नं.–8 निरालानगर से आईटी होकर गुजर सकेंगे। पक्का पुल खदरा साइड तिराहा से पक्कापुल (टीले वाली मस्जिद) के बजाय पक्का पुल से पहले तिराहे से बंधा रोड या नया पक्कापुल होकर गुजर सकेंगे। हरदोई रोड, बालागंज की तरफ बडेघ वाहन, रोडवेज, सिटी बसें बड़ा इमामबाड़ा या टीले वाली मस्जिद के बजाय कोनेश्वर चौराहे से दाहिने चौक चौराहा, मेडिकल कॉलेज चौराहा होकर गुजर सकेंगी। कोनेश्वर चौराहे से वाहन घंटाघर, बडा इमामबाड़ा के बजाय कोनेश्वर चौराहे से चौक चौराहा।

चलते मीठी चाल

(छप्पय)

देख समय की चाल पढ़ो अरु सीखो उससे।
खुशहाली के साथ अकेलापन है जिसमें।
दौलत हो यदि पास अहं से दूरी रखना।
फाँके में भी यार न खुद को छोटा कहना।
सेहत, दौलत से बड़ी इज्जत, सेहत से बड़ी।
इज्जत से भी हो बड़ी रीत समर्पण की खड़ी।।

अपनेपन के शब्द दूरियाँ अपनों से रख।
चलते–मीठी चाल जहर को अंतस में रख।
लगता बहुत अजीब मगर है बातें सच्ची।
सबकुछ लच्छेदार मगर लगती है अच्छी।
हृदयहीन व्यवहार का अद्भुत व्यवहारिक पक्ष।
अहंकार में चूर हो खुद को कहता है दक्ष।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्सव धर्मिता हमारे संस्कार और लोक संस्कृति का प्रतीकः अशोक

प्रयागराज। रंगपर्व उत्सव के बाद, चैत्र नवरात्रि के आध्यात्मिक रंग से सराबोर हुआ माहौल हमारे भौतिक लोक जीवन और प्राकृतिक परिवेश में मौसम दर मौसम लोक पर्वों का आगमन,हमें अपनी लोक संस्कृति,परंपरा संस्कार और सामाजिक उल्लास से तार –तार जोड़ता रहा है। बसंत पंचमी के बाद नूतन प्रकृति और होली रंगपर्व उत्सव के बीतते ही हिंदू नववर्ष और नवरात्रि का शुभ आगमन एक बार फिर आध्यात्मिक चेतना के रंग से सराबोर कर रहा है। हमारी यही उत्सव धर्मिता,हमारी लोक संस्कृति और सामाजिक संस्कार का प्रतीक बनकर जीवन को विविध रंगों से जोड़ती है। वन प्रान्त में खिले टेसू के लाल फूल,नई कोपलों से सजे बाग बगीचे, आम की मंजरियों में लग रहे टिकोरे,रवी की गदराई और पक रही फसलों के साथ किसान और गृहस्थ हर्षित हैं, तो वहीं ग्रीष्म ऋतु का भी आगाज हो चुका है। घर में नया अनाज आने से पहले नवरात्रि महापर्व में लोग पूजा,व्रत पाठ और आराधना कर,सुख–शांति,पुण्य लाभ ले रहे हैं। यही त्यौहार हमें मानसिक सुख देने के साथ–साथ हमारे जीवन के लिए प्रेरक हैं और हमें अतीत की परंपरा से भी जोड़ते हैं। सनातन धर्म संस्कृति के यही रंग हमें अपनी परिपाटी और आस्था में अटूट विश्वास रखने को उद्वेलित करते हैं, वहीं हमारे शुद्ध मन और उत्तम विचारों के भी पोषक हैं। विविध रंग रूप,वेशभूषा और विविध मान्यताओं से जुड़ा हमारा समाज समय–समय पर अपने ऐसे ही लोकपर्वों से जुड़कर अपने संस्कृति की अर्चना करता है।

पॉलिटेक्निक छात्रों को 6 महीने की औद्योगिक ट्रेनिंग मिलेगी

तकनीकी शिक्षा–उद्योग तालमेल पर हुए गोलमेज सम्मेलन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में तकनीकी शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल मजबूत करने के उद्देश्य से द्वितीय जोनल गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। मेधा और तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों को रोजगार के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना था। सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत संबोधन के साथ हुई। मेधा की राज्य प्रमुख शीबा जोसेफ ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा को सीधे उद्योगों से जोड़ा जाए, ताकि छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हो सके। सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पैनल चर्चा रही, जिसमें विशेषज्ञों ने पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा के दौरान एक बड़ा निर्णय लिया गया कि अब छात्रों को अंतिम सेमेस्टर में छह महीने तक उद्योगों में प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। इस पहल से उनकी दक्षता मजबूत होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस पैनल में सर्वेश्वर शुक्ला, नितिन झाम्ब, सासीधरन टी, आलोक पांडेय सहित लखनऊ और बाराबंकी के पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्राचार्यों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि उद्योगों के साथ सीधा जुड़ाव ही छात्रों के भविष्य को सुरक्षित कर सकता है। पैनल चर्चा के उपरांत एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों और प्राचार्यों के बीच खुली चर्चा हुई। इसके बाद उद्योगों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम में लखनऊ, बाराबंकी और उन्नाव के 15 पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्राचार्य और ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, 20 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भी इसमें भाग लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 पीआरवाहजे–सिग–051–2025–26

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता /सम0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं.: 051	अनुमानित मूल्य : 4888750.80	धरोहर राशि : 97800/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00	कार्य समापन की अवधि : बारह माह	
निविदा खुलने की तिथि : 16.04.2026		

कार्य का विवरण : मनौरी - मानिकपुर (प्रयागराज छिवकी सहित) सेक्शन में स्थापित डाटा लॉगर डैशबोर्ड का उन्नयन तथा प्रयागराज मंडल में रेल गति संबंधी लॉजिक का विकास।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदादाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 30ब0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 617/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

कांग्रेस को रवैया बदलने की जरूरत

असम चुनाव से कुछ पहले भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। असम से कांग्रेस के लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद कठिन था क्योंकि उन्हें कांग्रेस पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर लगातार अपमान का सामना करना पड़ रहा था। इस अपमान का बदला श्री बोरदोलोई ने अब भाजपा की सदस्यता लेकर पूरा किया है। इससे पहले भूपेन बोरा भी इसी तरह की नाखुशी संगठन से जताकर अलग हुए थे और फौरन ही भाजपा के खेमे में चले गए। आखिर चुनावों से पहले ही मान–अपमान का ख्याल दल बदल करने वाले नेताओं को कैसे आता है, यह सवाल अब तक अनुत्तरित है। ऐसा नहीं है कि केवल कांग्रेस में ही दल बदल का सिलसिला चलता है, कमोबेश सभी पार्टियां इसका शिकार हैं। लेकिन खास बात ये है कि जिस राज्य में कांग्रेस मजबूती से भाजपा को चुनौती देती है, वहां इस तरह की फूट ज्यादा दिखाई देती है। इस समय असम ऐसा ही एक राज्य है, जहां इस बार भाजपा के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। गौरव गोगोई को असम कांग्रेस का अध्यक्ष बनाकर आलाकमान ने एक बड़ा दांव चला और गोगोई के तेवर जैसे संसद में भाजपा के लिए तीखे रहते हैं, असम में भी हिमंता बिस्वासरमा के सामने वैसे ही तीखे बने हुए हैं। बिस्वासरमा ने गौरव गोगोई को पाकिस्तान का एजेंट बताने जैसे गंभीर आरोप तक लगाए हैं, मगर इनसे पीछे हटने की बजाए गौरव गोगोई सामने आकर बिस्वासरमा को चुनौती दिए जा रहे हैं। बीते दिनों जिस तरह प्रियंका गांधी ने असम में धुआंधार बैठकें कर राज्य इकाई को मजबूत करने की कोशिश की और अब टिकट वितरण का काम जमीनी रिपोर्ट के आधार पर शुरु हुआ है, उसमें भी नजर आ रहा है कि कांग्रेस से इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। भाजपा के लिए एंटी इनक्मबेंसी भी एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियां का सामना करने के लिए भाजपा के पास सबसे सुविधाजनक तरीका यही है कि कांग्रेस में फूट डलवाई जाए। प्रद्युत बोरदोलोई और राज्य कांग्रेस के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार का पार्टी छोड़ना इसका प्रमाण है। प्रद्युत बोरदोलोई ने अपने इस्तीफे के बारे में कहा कि श्मैंने अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक को छोड़ दिया है और इसके लिए मैं खुश नहीं हूं। लेकिन मैंने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कांग्रेस पार्टी, विशेष रूप से असम कांग्रेस के भीतर, मुझसे संपर्क करने वाले लोग मुझे बार–बार अपमानित कर रहे थे। कांग्रेस नेतृत्व भी मेरे प्रति सहानुभूति नहीं दिखा रहा था।श गौरतलब है कि बोरदोलोई 1998 से 2016 तक चार बार विधायक रहे। 2001 से 2015 के बीच असम की कांग्रेस सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी संभाले। और फिर नौगांव से दो बार सांसद रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आलाकमान से शिकायत है। उनका कहना है कि उनके संसदीय क्षेत्र से एक कांग्रेस विधायक आसिफ नजर के करीबी ने बीते पंचायत चुनाव के दौरान उन पर हमला करवाया था। अब उनका सवाल है कि एक अपराधी को टिकट कैसे दे सकते हैं। बोरदोलोई का कहना है कि जब 13 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में असम चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी के सदस्य सांसद इमरान मसूद ने उनके आरोपों को श्झूठाश करार दिया और गोगोई चुप रहे। इससे उनके श्आत्म–सम्मानश को ठेस पहुंची। आत्मसम्मान की आड़ लेकर बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ी और अब शायद सम्मान की तलाश में भाजपा चले गए हैं। वहीं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में नवज्योति तालुकदार ने पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। यहां भी सवाल वही है कि आखिर अपनी ही पार्टी की कार्यप्रणाली ऐन चुनाव के पहले तालुकदार को नागवार क्यों गुजरने लगी। दरअसल दलबदल के लिए एक पुख्ता बहाना चाहिए ही होता है, तो अपमान का फैक्टर इसमें सबसे कारगर साबित होता है, क्योंकि इसमें जनता की सहानुभूति मिल जाती है। हालांकि असल में इसमें जनता का अपमान होता है, जिसने इससे पहले आपके काम और विचारधारा के लिए आपको अपना प्रतिनिधि बनाया, लेकिन आपने अपनी विचारधारा ऐसे बदली जैसे कोई वस्त्र बदलता है। वैसे यहां थोड़ी गलती कांग्रेस की भी है, आखिर उसे बगावत के बारे में तभी कैसे पता चलता है जब कोई खेल कर चुका होता है। मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी कांग्रेस उम्मीद लगाए बैठे हुई थी कि वे पार्टी को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन सिंधिया ने अपने साथ 22 और विधायकों को तोड़ लिया और कांग्रेस को खबर भी नहीं हुई। ऐसी बेखबरी के साथ राजनीति तो नहीं की जा सकती, खासकर तब जब सामने भाजपा जैसा प्रतिद्वंद्वी मौजूद हो, जो साम, दाम, दंड, भेद सबका इस्तेमाल करके चुनाव जीतने में यकीन रखे। विधानसभा से पहले राज्यसभा में भी भाजपा का यही खेल बिहार, ओडिशा और हरियाणा में नजर आया। इन तीन राज्यों में कांग्रेस के कुल 11 विधायकों ने पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की है।

कहां गुम हो गया वो भारत

सर्वमित्रा सुरजन

मिल के होती थी कभी ईद भी दीवाली भी, अब ये हालत है कि डर डर के गले मिलते हैं। न मालूम ये पंक्तियां किसने लिखी हैं, लेकिन आज के माहौल में यह बिल्कुल सटीक बैठती हैं। हालांकि ईद के मुबारक मौके पर ऐसी पंक्तियां साझा करते हुए दुख भी हो रहा है, लेकिन हकीकत से मुंह चुरा कर हम कहां जाएंगे। त्योहार शब्द के साथ खुशी शब्द चस्पां हुआ करती थी, लेकिन बीते 12 सालों में अब त्योहार की परिभाषा और मायने भी बदले जा चुके हैं। जिन के पास धन–संपत्ति है, समाज में ताकत है, उनके लिए सारे त्योहार खुशियां लेकर आते हैं। लेकिन साधारण लोगों के लिए परेशानियां और तनाव त्योहार के सहउत्पाद (बायप्रोडक्ट) की तरह साथ चले आते हैं। उस पर भी अगर अल्पसंख्यकों के त्योहारों का वक्त आए, तो तनाव की रेखा कुछ ज्यादा गहरी और लंबी हो जाती है। बहुसंख्यक हिंदुओं को मोदी शासनकाल में यही पाठ पढ़ा दिया गया है कि अपने त्योहार की खुशी भी आप तभी सही तरीके से मनाएंगे, जब अल्पसंख्यकों को परेशान करेंगे। इसलिए होली हो या दीवाली, रामनवमी हो या हनुमान जयंती, मुसलमानों और ईसाइयों को चिढ़ाना कुछ लोगों ने अपना सच्चा धर्म बना लिया है। मंदिर में भजन–कीर्तन की जगह मस्जिदों या चर्चों के सामने ढोल बजाकर गाने–बजाने से ही भगवान सुनेंगे, ऐसा इन्हें लगता है। और जब मौका ईद या क्रिसमस का आए, तो अल्पसंख्यकों को उनकी हदों में रहकर त्योहार मनाने की चेतावनी दी जाती है, मानो ये देश उनका नहीं है।

अभी क्रिसमस पर ही देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी तो दिल्ली में चर्च जाकर बधाई दे रहे हैं, लेकिन मोदी को आदर्श मानने वाले लोगों ने देश के कई हिस्सों में चर्च में तोड़–फोड़ की या चर्च परिसर में बैठकर हनुमानचालीसा का पाठ किया। हैरानी की बात ये है कि ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की खबर भी पूरी नहीं आती है। दिखाने को एकाध एफआईआर दर्ज हो भी जाए, तो आगे उन्हें सजा मिली या नहीं, ये कभी पता नहीं चलता। बाकी अल्पसंख्यकों को तो बिना कसूर के भी सजा देने का काम पुलिस से पहले उन्मादी भीड़ कर ही लेती है। कभी गो मांस के शक में, कभी गोतस्करी के शक में जो भीड़ द्वारा हत्याएं की गई हैं, वो इसका उदाहरण है। भीड़ तो उन्माद से संचालित हो जाती है, मगर ज्यादा दुख ये देखकर होता है कि अब अक्सर प्रशासन भी इसी तरह का उन्मादी व्यवहार दिखाने लगा है। कुछ समय पहले उत्तरप्रदेश में कुछ मुसलमानों को महज इसलिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा क्योंकि वे खाली घर में नमाज पढ़ रहे थे। कई बार खुले में नमाज पढ़ने को लेकर भी मुसलमानों को चेतावनी दी जा चुकी है। जबकि पांच वक्त की नमाज के पाबंद लोग अगर घर पर या मस्जिद के पास न हुए, तो किसी खाली जगह को देखकर कुछ मिनटों की नमाज पढ़ लें तो उसमें कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। जब एयरपोर्ट पर गरबा हो सकता है, या क्लबों में भजन हो सकते हैं, तो नमाज क्यों नहीं पढ़ी जा सकती। लेकिन धर्म को खतरा बताकर जिस तरह लोगों के दिल–दिमाग पर ताले लगा दिए गए हैं, उसके बाद किसी भी समझदारी की उम्मीद करना बेमानी हो चुका है। हाल ही में उत्तरप्रदेश के संभल में मस्जिद में नमाजियों की संख्या 20 तक सीमित करने का आदेश प्रशासन ने दिया। यहां अच्छी बात यह रही कि इस आदेश को रद्द करते हुए जिलाधिकारी और एसपी को कड़ी फटकार लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखना राज्य का कर्तव्य है, और अगर अधिकारी इसे नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या ट्रांसफर करवा लेना चाहिए। काश कि अदालतें ऐसी ही सख्ती धर्मांधता को बढ़ावा देने वाले तमाम प्रकरणों पर ले तब शायद समाज का माहौल थोड़ा सुधरे। क्योंकि समाज में नफरत किस कदर फैल चुकी है, इसके कुछ भयावह उदाहरण रमजान में ही देखने मिले। पुणे में रोजा तोड़ रहे मुस्लिम युवकों के एक समूह पर भीड़ ने हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। बिहार के मधुबनी जिले में एक मुस्लिम महिला, रोशन खातून को कथित तौर पर एक स्थानीय नेता से शिकायत करने के बाद भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उसे पानी मांगने पर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया। इस खबर को सुनकर ही दिल भीतर तक दहल गया कि आखिर दूसरे धर्म से नफरत करने में क्या अब हिंदुओं को रक्तपिपासु राक्षसों में तब्दील कर दिया गया है। एक घटना पंजाब के लुधियाना से सामने आई, जहां एक निजी विश्वविद्यालय में कश्मीरी मुस्लिम छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें सहरी के लिए बासी ठंडा खाना और इफ्तारी के लिए खजूर की जगह केला दिया गया। विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया। वाराणसी में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार करने के दौरान चिकन बिरयानी खाने और हड्डियां नदी में डालने की शिकायत पर पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद, बनारस के संयुक्त सचिव एसएम यासीन का कहना है कि कुछ जाहिल नाव पर रोजा इफ्तार कर रहे थे। इस्लाम में इसके लिए कहीं जगह नहीं है। इफ्तार एक शुद्ध धार्मिक कार्य है। यह कोई सैर या पिकनिक नहीं है। इफ्तार के बाद तुरंत मगरिब की नमाज जरूरी है। इन जाहिलों को इनके घरवालों ने क्या सिखाया है? इस्लाम को बदनाम करने का मौका दिया है। इस कृत्य की जितनी भी निंदा की जाए कम है।

गंगा नदी पर इफ्तार के इस प्रकरण पर अब पुलिस जांच कर रही है और दोषियों को कानून के हिसाब से ही सजा मिलनी भी चाहिए। लेकिन इसे सांप्रदायिक उन्माद फैलाने के मौके की तरह इस्तेमाल करना गलत होगा। जिस तरह से एस एम यासीन ने इस घटना की निंदा की है, वैसा ही व्यवहार तमाम हिंदू धर्मगुरुओं से भी अपेक्षित है कि वे अपने ओहदे का इस्तेमाल धर्म की सही सीख देने में करें और धर्म की आड़ लेकर जो लोग कानून हाथ में लेते हैं और अल्पसंख्यकों को धमकाते हैं, उनकी निंदा करें।

(विश्व कविता दिवस: 21 मार्च)

कविता: मेरी नज़र में

कविता शाश्वत, सत्य, सुन्दर,
भावों का है एक समुन्दर।
तेरे–मेरे, सबके मन में,
बसती है हर एक जन में।

कविता जीवन की धारा है,
संवेदन का उजियारा है।
अन्तर्मन की पीर, वेदना,
हर इक धड़कन की साधना।

टीस, घुटन, आहों की भाषा,
चिंतन की गहरी–सी आशा।
शब्दों का बस जाल नहीं है,
अर्थों का कमाल यही है।

भावों की विविध कहानी,
खिन्नता, हँसी, मनमानी।
मुस्काता फूल, हँसता बबूल,
जीवन का हर रंग अनुकूल।

यह सरिता–सी चंचल धारा है,
लहरों को थामता किनारा है।
कविता सबको राह बताती।
दिशा नया विस्तार दिलाती।

कविता शाश्वत, सत्य, सुन्दर,
अनुभूति का गहरा सागर।
नियति की ये सच्ची साथी,
दुःख–सुख दोनों की हमसाथी।

दुःख की छाया, सुख की छाया,
जीवन का हर रूप समाया।
शीतल पुरवाई का स्पर्श,
प्रकृति का हर मधुर उत्कर्ष।

मौसम की तरुणाई इसमें,
गुंजित–सी शहनाई इसमें।
पर्वत, खाई, मंगल गान,
हर उत्सव की यह पहचान।

कविता केवल जलधार नहीं,
ताल, नदी, मंझधार नहीं।
सीमाओं से परे शांत–गम्भीर,
विस्तृत असीमित है ये नीर।

कविता शाश्वत, सत्य, सुन्दर,
भावों का है एक समुन्दर।

विनय कुमार 'बुद्ध',
न्यू बंगाईगांव (असम)

ईरान युद्ध में नाटो से अलग–थलग पड़े ट्रंप की परीक्षा की घड़ी

नित्य चक्रवर्ती

अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं। बुधवार को, अमेरिका–इजरायल गठबंधन के ईरान के खिलाफ युद्ध के 18वें दिन, ट्रंप को एक साथ दो बुरी खबरें मिलीं। इन खबरों ने उन्हें इस बात पर सोचने पर मजबूर कर दिया कि ईरान को अमेरिकी ताकत के आगे झुकाने के लिए उन्हें अपनी अगली रणनीति कैसे बनानी चाहिए। पहली खबर यह थी कि यूरोपीय सरकारों ने ट्रंप के उस अनुरोध का जवाब देने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने तेल टैंकरों के सुरक्षित मार्ग के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेजने की मांग की थी। दूसरी खबर यह थी कि ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को तभी गुजरने दे रहा है, जब वे भुगतान डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी युआन में करें। इसका मतलब है कि चीन और ईरान के बीच कोई समझौता हो गया है, हालांकि उसकी शर्तें अभी पता नहीं चली हैं। लेकिन इसका कुल नतीजा यह निकला है कि चीन, तेहरान के पूरे समर्थन के साथ, ईरान द्वारा की गई होर्मुज नाकेबंदी का फायदा उठा रहा है और पैसे कमा रहा है। ट्रंप के लिए, यह खबर इससे बुरे समय पर नहीं आ सकती थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को मनाया कि वे चीनी व्यापार मंत्री ही लिफांग के साथ एक बैठक तय करें, ताकि इस साल अप्रैल में बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली उनकी बैठक के लिए जमीन तैयार की जा सके। ईरान युद्ध के माहौल के बीच चीन ने हिचकिचाते हुए ऐसी बैठक के लिए सहमति दी। यह बैठक रविवार को पेरिस में शुरू हुई और सोमवार को भी जारी रही। व्हाइट हाउस ने अपनी तरफ से 31 मार्च से 2 अप्रैल तक शिखर सम्मेलन की तारीखें तय कर दी थीं, लेकिन चीन की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। असल में, ट्रंप पेरिस बैठक का इस्तेमाल एक श्चारेश के तौर पर करना चाहते थे, ताकि चीन को अपने पाले में रखा जा सके। वे यह संकेत देना चाहते थे कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वे उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते और अन्य विवादित मुद्दों पर आपसी समझ को अंतिम रूप देना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की यह चाल कामयाब नहीं हुई। अब वे गुस्से से आग–बबूला हैं। उन्होंने घोषणा की है कि चीन का प्रस्तावित दौरा टाल दिया जाएगा, हालांकि व्हाइट हाउस के सूत्रों का कहना है कि शिखर सम्मेलन अप्रैल के अंत तक हो जाना चाहिए।

ट्रंप ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का वही अनुरोध किया था, लेकिन चीन ने भी यूरोपीय देशों की तरह ही इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इस तरह, दोनों ही पक्षों ने ट्रंप की बात मानने से इनकार कर दिया। जहां तक यूरोप की प्रतिक्रिया का सवाल है, वह ट्रंप के लिए इतनी परेशान करने वाली थी कि उन्होंने कहा कि यूरोप का यह रुख नाटो के लिए बहुत बुरा है। इस बात के काफी संकेत थे कि वह नाटो के इन यूरोपीय सदस्यों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। जर्मनी की प्रतिक्रिया ट्रंप के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक थी। जर्मनी ने किसी भी सैन्य गतिविधि में हिस्सा लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयास भी शामिल थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, हस्तक्षेप करना है या नहीं, इस पर कभी कोई संयुक्त फैसला नहीं हुआ था। इसीलिए यह सवाल ही नहीं उठता कि जर्मनी के सैन्य रूप से योगदान देगा। हम ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा, इस ईरानी शासन का अंत होना ही चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि पिछले वर्षों और दशकों में हमने जो अनुभव हासिल किया है, उसके आधार पर, बमबारी करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर करने जैसा तरीका, पूरी संभावना है कि सही तरीका नहीं है।

पाक की निरंतर शत्रुता के पीछे का 'अर्थशास्त्र'

के.एम. चंद्रशेखर

सोमवार को काबुल में एक पुनर्वास केंद्र पर हुई बमबारी में 400 से अधिक लोग मारे गए। यह घटना इस तथ्य की नवीनतम

पुष्टि है कि पाकिस्तानी सेना का मूल उद्देश्य अपनी सीमाओं के पार और भीतर युद्ध करना है। एक वर्ष के भीतर ही इसने पश्चिम में अफगानों, भीतर बलूच लोगों और पूर्व में भारतीयों से युद्ध किया है। लेकिन भारत के साथ इसके टकराव का इतिहास इस बात को सबसे स्पष्ट रूप से दर्शाता है। अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह दोनों ही भारत–पाकिस्तान संबंधों में व्याप्त शत्रुता और हिंसा के चक्र को तोडना चाहते थे। 1999 में लाहौर की बस यात्रा, जब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने अपने समकक्ष नवाज शरीफ से मिलने के लिए दिल्ली–लाहौर की पहली बस सेवा से यात्रा की, तो यह स्पष्ट रूप से पुराने मतभेदों को भुलाने का एक प्रयास था। 2001 का आगरा शिखर सम्मेलन और 2003 का 'श्रीनगर समझौता', जिसके दौरान उन्होंने 1999 के कारगिल आक्रमण और 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बावजूद एक बार फिर पाकिस्तान की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया, नए सिरे से संबंध स्थापित करने के उदार प्रयास थे। मनमोहन सिंह ने 2006 में अमृतसर में बोलते हुए कहा, ''सीमाओं को फिर से नहीं खींचा जा सकता लेकिन हम उन्हें महत्वहीन बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं, नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों को अधिक स्वतंत्रता से आवागमन करने और एक–दूसरे के साथ व्यापार करने में सक्षम होना चाहिए।'' दोनों पक्षों के बीच बेहतर आपसी समझ की रूपरेखा आकार ले रही थी, जिसमें मुक्त व्यापार के लिए अधिक खुली सीमा, एक संयुक्त परामर्श तंत्र, चरणबद्ध विसैन्यीकरण और सीमा के दोनों ओर कश्मीर में अधिक स्वशासन शामिल था। विश्वास कायम करना ही मुख्य लक्ष्य था। फिर, विनाशकारी प्रभाव के साथ, 26ध्11 की घटना घटी। जिस प्रकार कारगिल संघर्ष लाहौर बस कूटनीति के बाद हुआ था, उसी प्रकार भारतीय संसद पर हमला आगरा शिखर सम्मेलन के बाद हुआ था। जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने भी पाकिस्तान के साथ शांति का एक नया ढांचा बनाने का प्रयास किया। उन्होंने नवाज शरीफ को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

उन्होंने 2 अंतर्राष्ट्रीय बैठकों के दौरान शरीफ से मुलाकात की और सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि उन्होंने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ते हुए 2015 के क्रिसमस के दिन नवाज शरीफ के 66वें जन्मदिन और रायविंड में उनकी पोती की शादी के समारोह में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा की। कुछ ही हफ्तों में, इसका जवाब आया–पठानकोट स्थित हमारे वायुसेना अड्डे पर हमला और उरी स्थित हमारे सैन्य अड्डे पर भी। यह पैटर्न स्पष्ट है, यहां तक कि पूर्वानुमानित भी है–शांति स्थापित करने के प्रयास, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान की ओर से ड्क्षहसा भड़क उठती है। आयशा सिद्दीका की 2007 में प्रकाशित पुस्तक 'मिलिट्री इंक रू इनसाइड पाकिस्तान्स मिलिट्री इकोनॉमी' इस बात को बाखूबी समझाती है। वह बताती हैं कि पाकिस्तानी सेना को राज्य से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती और वह संसद के प्रति जवाबदेह नहीं है।

प्रेग्नेंट दिव्यांका त्रिपाठी का पहला पोस्ट, पति विवेक संग व्हाइट ट्विनिंग करती बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखीं एक्ट्रेस

टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस शादी के पूरे 10 साल बाद पति विवेक दहिया के बच्चे की मां बनने वाली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कपल ने इस खुशखबरी की पुष्टि की थी। वहीं, अब हाल ही में प्रेग्नेंट दिव्यांका का पहला पोस्ट सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ कई तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों वह पति विवेक दहिया संग व्हाइट ट्विनिंग करती नजर आ रही हैं और अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती बेहद खुश दिख रही हैं। एक तस्वीर में दोनों छोटे–छोटे बूट्स दिखाते हुए बेबी के आने का इशारा कर रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर दिव्यांका ने कैप्शन में लिखा–10 साल बाद कहानी में एक नया मोड़ कुछ सफर जल्दबाजी के लिए नहीं होते, बल्कि वे एक–दूसरे के साथ मिलकर तैयार होने के बारे में होते हैं। और ठीक जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो चुकी है,जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है। अभी भी इस पल को जी रहे हैं, अभी भी बिना किसी वजह के मुस्कुरा रहे हैं, हमारे दिल कृतज्ञता से भरे हुए हैं – हम माता–पिता बनने वाले हैं। इससे पहले दिव्यांका त्रिपाठी ने विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में अपनी प्रेग्नेंसी कंफर्म करते हुए कहा था कि विवेक और मैं अभी बच्चा चाहते थे। हमने ट्राई किया और रिपोर्ट्स पॉजिटिव आ गई। हम इस खबर से काफी खुश हैं और खुद को भाग्यशाली भी मानते है। इसके साथ उन्होंने ये भी बताया कि वह अपनी प्रेग्नेंसी को 6 महीने तक दुनिया से छिपाने में कामयाब रहीं। बता दें दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 2016 में शादी की थी। अब शादी के 10 साल बाद कपल के घर पहले बच्चे की किलकारी गूंजेगी, जिससे लेकर दोनों बेहद एक्साइटड हैं।

> इसके साथ उन्होंने ये भी बताया कि वह अपनी प्रेग्नेंसी को 6 महीने तक दुनिया से छिपाने में कामयाब रहीं। बता दें दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 2016 में शादी की थी।

तालियां बजने लायक है..धुरंधर 2 देख अल्लू अर्जुन ने टीम को दी बधाई, विजय देवरकोंडा ने भी की जमकर तारीफ

मच अवेडट फिल्म धुरंधर द रिवेंज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में इतनी एक्साइटमेंट थी कि रिलीज से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी। वहीं, आज रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर धुरंधर 2 को दर्शकों की पॉजिटिव प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसी बीच सुपरस्टार अल्लू अर्जुन से लेकर विजय देवरकोंडा तक कई सेलेब्स ने आदित्य धर की हालिया फिल्म पर प्यार लुटाते हुए अपना रिएक्शन दिया है। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने एक्स अकाउंट पर लंबा नोट शेयर करते हुए लिखा, मैंने धुरंधर 2 देखी। फिल्म देशभक्ति और स्टाइल का शानदार कॉम्बिनेशन है। यह हर देशभक्त को गर्व महसूस कराएगी। कई सीन ऐसे हैं जहां तालियां बजने लायक हैं। एक भारतीय कहानी लेकिन इंटरनेशनल स्टाइल में। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने पूरी टीम को बधाई दी और लिखा, माधवन गारु और सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। तकनीकी रूप से भी फिल्म बेहतरीन है। हमारे देश में रणवीर सिंह जैसे प्रतिभाशाली व बहुमुखी कलाकारों के होने पर बहुत गर्व है। आदित्य धर ने फिल्म को कमाल बना दिया। यह एक भारतीय कहानी है, लेकिन इंटरनेशनल स्टाइल में। जय हिंद!

तड़के सुबह एक्ट्रेस निमिषा नायर के साथ हुई बदसलूकी, फ्लाईओवर में हुआ डरावना मंजर

महिलाओं के साथ आए दिन बदसलूकी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस निमिषा नायर ऐसी ही घटना का शिकार हो गईं। मुंबई में निमिषा के साथ बदसूलकी की गई और धमकी भी दी गई। इस घटना का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया के जरिए किया है। निमिषा नायर के साथ ये घटना मंगलवार सुबह करीब 4रू50 बजे हुई, जब वह बांद्रा ईस्ट के खेरवाड़ी फ्लाईओवर से कैब में जा रही थीं। तभी दो युवक उनकी गाड़ी के सामने आ गए और रास्ता रोकने की कोशिश करने लगे। शुरू में यह विवाद ओवरटेक करने को लेकर हुआ। फिर उन्होंने अपनी स्कूटी सड़क के बीच खड़ी कर दी। कैब ड्राइवर को गालियां दीं और डराने–धमकाने लगे। उन्होंने गाड़ी के दरवाजे खोलने की कोशिश की और बार–बार खिड़की खोलने को कहा। सुरक्षा के डर से उन्होंने खिड़की नहीं खोली। निमिषा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस घटना के बारे में अपडेट देते हुए लिखा, श्कल मुझे मुंबई पुलिस से कॉल आया। पहले कंट्रोल रूम से, फिर इंचार्ज अधिकारी की ओर से कॉल आया। उन्होंने मुझसे पूरी जानकारी मांगी ताकि जांच आगे बढ़ सकें। मैंने उन्हें सारी जानकारी और सबूत दे दिए। उन्होंने आगे लिखा, पुलिस चाहती है कि कैब ड्राइवर खुद आकर शिकायत दर्ज करवाए। मैंने उनसे कहा कि आपके पास जो जानकारी है, उसी के आधार पर कम से कम बाइक वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। आज सुबह उन्होंने मुझे भरोसा दिया कि वे ऐसा जरूर करेंगे। लेकिन अभी तक किसी कार्रवाई की कोई पक्की खबर नहीं मिली है। एक्ट्रेस ने बताया कि इसी साल कोलाबा में भी उनके साथ ऐसी ही एक घटना हो चुकी है। उस समय उन्होंने पुलिस में एफआईआर भी दर्ज कराई थी। इस नई घटना के बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन व्यस्त शेड्यूल और ऑनलाइन सिस्टम में तकनीकी दिक्कतों के कारण परेशानी हुई।

नेपो किड के ठप्पे को मिटाने के लिए क्या आलिया ने उठाया ये कदम?

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है। जब करण ने उनसे पूछा कि क्या फिल्म में आउटसाइडर्स होंगे, तो आलिया ने हां में जवाब दिया। इस पर करण ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें उन पर बहुत गर्व है। 'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

अश्लील गाने पर मचे बवाल के बाद सामने आई नोरा फतेही, बोली- मेरे साथ भी हुआ धोखा

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बुधवार को सरके चुनर गाने के कथित अश्लील बोल को लेकर उठे विवाद से खुद को अलग करते हुए कहा कि उन्होंने तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में इस गाने की शूटिंग की थी और बाकी सभी की तरह वह भी इसके हिंदी संस्करण को देखकर हैरान थीं। संजय दत्त और नोरा फतेही के इस हिंदी गीत का वीडियो दो दिन पहले यूट्यूब पर डाला गया था, जिसके बाद देखते ही देखते यह वायरल हो गया। गीत के अश्लील बोल को लेकर विवाद खड़ा हो गया। यह गाना आगामी कन्नड़ फिल्म केडी द डेविल का है। इंस्टाग्राम पर साझा किए एक वीडियो में फातेही ने कहा कि वह आलोचनाओं के लिए आभारी हैं क्योंकि इससे निर्माताओं को आखिरकार गाने को सोशल मीडिया से हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस बात को उठाया था कि गाने के हिंदी बोल आपत्तिजनक हैं। फातेही ने कहा–मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस गाने को साझा करना बंद कर दें क्योंकि आप इसे बेवजह बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, मुझे दिख रहा है कि कुछ लोग इसका इस्तेमाल मेरे चरित्र पर हमला करने के अवसर के रूप में कर रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। नोरा ने आगे कहा–हालांकि, मैं यह दोहराना चाहती हूं कि मुझे इस गाने के हिंदी बोल के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और मेरी तस्वीर के साथ इसका उपयोग करने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। वीडियो संदेश में फातेही ने कहा कि उन्होंने यह गाना इसलिए किया क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म का हिस्सा था और इसमें संजय दत्त जैसे अभिनेता थे। फातेही ने कहा कि उन्हें लगा था कि यह गाना नायक नहीं खलनायक हूं मैं का रीमेक है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें कन्नड़ समझ नहीं आती इसलिए अनुवाद करने के मामले में उन्होंने फिल्म निर्माताओं पर भरोसा किया।

जानें डायबिटीज के मरीजों को आम के अचार का सेवन करना चाहिए या नहीं?

आज के समय में डायबिटीज एक बेहद आम और खतरनाक बीमारी में से एक है।इस में खाने–पीने में मरीजों को काफी ध्यान रखने के लिए कहा जाता है। हर चीज को खाने से पहले शुगर पीड़ितों को 10 बार सोचना पड़ता है। अक्सर डायबिटीज से जूझ रहे लोगों का कई खाने कि चीजों को लेकर सवाल रहता है की उन्हें क्या खाना चाहिए या क्या नहीं। इन्हीं कुछ चीजों में से एक आम का अचार भी है। ऐसे में आपको जानकारी के लिए बता दें की अचार के शौकीन लोगों को अचार का ज्यादा सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। आपको बता दें कि अचार एक अच्छा फर्मेंटेड फूड है लेकिन इसमें बहुत अधिक मात्रा में नमक यानी सोडियम और तेल का इस्तेमाल किया जाता है। ज्यादा नमक और तेल डायबिटीज मरीज के ब्लड शुगर को प्रभावित करता है। लेकिन अगर आप भी कंफ्यूज हैं कि अचार खा सकते हैं तो आपको बताते है इसका जवाब हां है। लेकिन बहुत ही सावधानी बरतते हुए।

फ्रेश अचार खाएं या इसमें स्वाद बढ़ाने के लघ्एि अदरक और नींबू को मिला सकते हैं। नींबू डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद होता है। जिन लोगों की लाइफस्घ्टाइल हेल्घ्दी है और जो लोग जंक फूड या बाहर का खाने से परहेज करते हैं। उनके लिए अचार उतना नुकसानदेह नहीं होगा, लेकिन सीमित मात्रा में ही खाएं। अचार खाने के साथ अगर आप भोजन में सलाद को शामिल करते है तो यह नमक की मात्रा को संतुलित कर देता है।

संतुलित मात्रा में खाए

डायबिटीज के मरीज अगर मांस, सब्जी, अचार और रोटी जैसे आहार तत्वों को संतुलित रूप से सेवन करते हैं तो इससे ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। ऐसे में अब से अगर आप शुगर के मरीज हैं तो अब से थोड़ी सावधानी बरतें है।

गोवा के इन बीचेस पर उठा सकते हैं फ्लाईबोर्डिंग का लुत्फ, सिर्फ आएगा इतना खर्चा

रोमांच के शौकीन लोग अलग–अलग तरह की एक्टिविटी की तलाश में रहते हैं। एडवेंचर स्पोट्र्स का लुत्फ उठाने के लिए पर्यटक अक्सर ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते हैं, जहां पर वह पैराग्लाइडिंग, वॉटर स्पोट्र्स और ट्रैकिंग का आदि का लुत्फ उठा सकें। वहीं सोशल मीडिया या टीवी पर एडवेंचर स्पोट्र्स देखकर युवा रोमांचित हो उठते हैं। तो बता दें कि भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पर आप स्पोट्र्स का मजा ले सकते हैं। हांलाकि यह एक्टिविटी देखने में काफी महंगी लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस तरह की एक्टिविटी में हिस्सा लेना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। फ्लाईबोर्डिंग इन दिनों युवाओं को अपनी ओर काफी ज्यादा आकर्षित कर रहा है। फ्लाईबोर्डिंग एक वॉटर स्पोट्र्स और एडवेंचर एक्टिविटी है। आप कतर से लेकर थाईलैंड आदि में फ्लाईबोर्डिंग का मजा ले सकते हैं। इसके अलावा आप भारत में भी फ्लाईबोर्डिंग का मजा ले सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप फ्लाईबोर्डिंग का मजा ले सकते हैं।

बागा बीच

अगर आप भी भारत में वॉटर स्पोट्र्स का मजा लेना चाहते हैं, तो इसके लिए गोवा सबसे बेस्ट है। आप यहां पर फ्लाईबोर्डिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि गोवा का बागा बीच पर्यटकों को बेहद पसंद आता है। इसके अलावा आप यहां पर फ्लाईबोर्डिंग सेशन भी ले सकते हैं।

अंजुना बीच

इसके अलावा आप गोवा के अंजुना बीच पर भी फ्लाईबोर्डिंग का मजा ले सकते हैं। यहां पर आपको काफी आरामदायक माहौल देखने को मिलेगा। अंजुना बीच पर आप फ्लाईबोर्डिंग का लुत्फ उठाने के लिए छुट्टी मनाने जा सकते हैं।

कैलंगुट बीच

बता दें कि गोवा के कैलंगुट बीच को समुद्र तटों की रानी कहा जाता है। इस जगह को फ्लाईबोर्डिंग के लिए सबसे ज्यादा परफेक्ट मानी जाती है।

फ्लाईबोर्डिंग का खर्च

गोवा फ्लाईबोर्डिंग काफी ज्यादा फेमस है। ऐसे में अगर आप भी इसका लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो सिर्फ 2700 रुपए में बुकिंग करवा सकते हैं। इसके अलावा अन्य जगहों पर इसकी कीमत 3,000 से 5,000 रुपए तक है।

टैनिंग हटाने के लिए एलोवेरा जेल का इस तरह से करें इस्तेमाल, फेस पर आएगा गजब का ग्लो

जब भी हम स्किन केयर की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमारे जहन में एलोवेरा जेल का नाम आता है। यह पौधा लगभग हर किसी के घर में मिल जाता है। इस पौधे की पत्तियों से जेल निकालकर आप फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। वहीं आयुर्वेद में एलोवेरा के पौधे को औषधि बताया गया है। एलोवेरा हमारी स्किन को अनेक तरह से फायदा पहुंचाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से आप टैनिंग की समस्या भी दूर कर सकते हैं। त्वचा के लिए एलोवेरा जेल बहुत अच्छा मॉइस्चराइजर, ब्लीच और सनस्क्रीन की तरह काम करता है। हांलाकि इसको डायरेक्ट फेस पर नहीं अप्लाई करना चाहिए। क्योंकि यह हर किसी की त्वचा पर सूट नहीं करता है। लेकिन आप इसको विभिन्न चीजों के साथ मिक्स फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। एलोवेरा जेल विटामिन ई से भरपूर होता है, जो आपको रंगत को निखारने का काम करता है। साथ ही यह डेड स्किन को भी रिमूव करता है।

वहीं गर्मियों में टैनिंग की समस्या आम बात है। ऐसे में अगर आप भी टैनिंग की समस्या का सामना कर रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से टैनिंग को दूर करने के उपाय के बारे में बताने जा रहे हैं।

एलोवेरा जेल से दूर होगी टैनिंग की समस्या

एलोवेरा जेल को फेस पर सीधे तौर पर न लगाएं, बल्कि आप इसमें 3 बूंद टी–ट्री ऑयल मिक्स कर फेस पर लगाएं। इसे चेहरे पर कुछ देर तक लगा रहने दें औऱ फिर चेहरे को पानी से धो लें। इस तरह से टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी। एलोवेरा जेल में कॉफी पाउडर मिक्स कर फेस को स्क्रब करें। सप्ताह में एक बार इस प्रक्रिया को अपनाने से डेड स्किन रिमूव हो जाएगी और आपकी त्वचा में निखार आएगा। इसके अलावा आप एलोवेरा जेल में 1/2 छोटा चम्घ्मच शहद मिक्स कर लें। क्योंकि शहद में भी ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज पाई जाती है औऱ यह स्किन को छा नेचुरल मॉइश्चराइज करता है। इस जेल में थोड़ा सा गुलाबजल मिलाकर इसको टोनर की तरह फेस पर इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी त्वचा के रंग में निखार आएगा और टैनिंग भी दूर होगी। एलोवेरा जेल में नारियल की 5 बूंद मिक्स कर लें। फिर इससे अपने फेस की मसाज करें। ऐसा करने से फेस पर इंस्टेंट ग्लो आएगा और फेस के दाग–धब्बे भी दूर होंगे। एलोवेरा जेल में नींबू का रस और नारियल पानी मिक्स कर चेहरे पर अप्लाई करें। बता दें कि यह नुस्खा ऑयली स्किन वालों के लिए बेहद फायदेमंद होगा। इससे टैनिंग की समस्या कम होगी और चेहरे पर ग्लो आएगा। अगर आपको टैनिंग के साथ मुंहासे की भी समस्या है, तो एलोवेरा जेल में पानी मिक्स कर फेस पर लगाना चाहिए। इससे मुंहासे फैलाने वाले बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं और त्वचा पर भी खराब असर नहीं पड़ता है। आप चाहें को ऐलोवेरा जेल से एंटी टैनिंग फेस पैक भी बना सकती हैं। इसके लिए आप एलोवेरा जेल में मुल्तानी मिट्टी मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें।

आंवला और शहद साथ में खाने से मिलते हैं जबरदस्त फायदे, जीवन भर रहोगे निरोग

आयुर्वेद में आंवला और शहद को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। जब इन दोनों का एक साथ सेवन किया जाता है, तो यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाने का काम करते हैं है। रोजाना सही मात्रा में लेने से कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है। आंवला और शहद का संयोजन एक प्राकृतिक टॉनिक की तरह काम करता है, जो शरीर को अंदर से स्वस्थ और मजबूत बनाता है।

आंवला और शहद साथ खाने के फायदे

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है, जबकि शहद एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। दोनों मिलकर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। यह मिश्रण पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और गैस, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है। आंवला त्वचा को ग्लोइंग बनाता है और बालों को मजबूत करता है। शहद त्वचा को नमी देता है, जिससे चेहरा साफ और चमकदार दिखता है। सुबह खाली पेट आंवला और शहद लेने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। यह मिश्रण कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करता है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है।

सेवन करने का तरीका

1 चम्मच आंवला पाउडर या ताजा आंवला रस लें, उसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं, सुबह खाली पेट सेवन करें। ध्यान रखें ज्यादा मात्रा में सेवन न करें, डायबिटीज के मरीज डॉक्टर से सलाह लेकर ही शहद लें। किसी एलर्जी की स्थिति में तुरंत सेवन बंद करें। अगर इसे नियमित रूप से लिया जाए, तो सेहत में सकारात्मक बदलाव साफ नजर आ सकते हैं।

व्रत के बाद गैस और एसिडिटी से परेशान? अपनाएं ये 4 आसान नियम

नवरात्रि के दौरान व्रत रखना जहां आध्यात्मिक शांति देता है, वहीं कई लोगों को इस समय गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण होता है लंबे समय तक खाली पेट रहना और फिर अचानक गलत या भारी भोजन कर लेना। अगर आप थोड़ी सावधानी रखें, तो इन समस्याओं से आसानी से बचा जा सकता है।

व्रत के दौरान गैस बनने के लक्षण

व्रत के समय अगर पेट में लगातार भारीपन महसूस हो, हल्का दर्द बना रहे, या खट्टी डकारें आने लगें, तो यह गैस बनने का संकेत हो सकता है। कई बार पेट फूल जाता है और व्यक्ति को आराम करने या लेटने का मन करता है। इसके अलावा भूख कम लगना भी एक सामान्य लक्षण है। इन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि समय पर ध्यान देने से समस्या बढ़ने से रोकी जा सकती है।

व्रत खोलते समय हल्का भोजन करें

लंबे समय तक खाली पेट रहने के कारण हमारी पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। ऐसे में अगर आप व्रत खोलते ही भारी, तला–भुना या ज्यादा मसालेदार खाना खा लेते हैं, तो पेट उसे ठीक से पचा नहीं पाता और गैस बनने लगती है। इसलिए व्रत खोलते समय हल्का और सुपाच्य भोजन करना बहुत जरूरी है। आप फल, दही, या हल्की खिचड़ी से शुरुआत कर सकते हैं। इससे पेट पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता और पाचन धीरे–धीरे सामान्य हो जाता है। बाद में आप थोड़ा–थोड़ा करके अन्य चीजें खा सकते हैं, लेकिन शुरुआत हमेशा हल्की रखें।

खाली पेट ज्यादा चाय या कॉफी न पिएं

कई लोग व्रत के दौरान बार–बार चाय या कॉफी पीते हैं ताकि उन्हें ऊर्जा मिलती रहे, लेकिन खाली पेट इनका सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन पेट में एसिड की मात्रा बढ़ा देता है, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या होने लगती है। इसलिए इनका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। इसके बजाय आप नारियल पानी, छाछ या नींबू पानी जैसे हल्के और ठंडक देने वाले पेय पदार्थ ले सकते हैं। ये न केवल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाते हैं।

दिनभर थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहें

व्रत के दौरान अक्सर लोग पानी पीना कम कर देते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। डिहाइड्रेशन के कारण पाचन तंत्र सही से काम नहीं कर पाता और गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप दिनभर थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहें। एक साथ बहुत ज्यादा पानी पीने के बजाय नियमित अंतराल में पानी लेना ज्यादा फायदेमंद होता है। गुनगुना पानी पीना पाचन के लिए विशेष रूप से अच्छा माना जाता है, जबकि बहुत ठंडा पानी पेट की समस्या बढ़ा सकता है, इसलिए उससे बचना चाहिए।

गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाएं

व्रत के दौरान कुछ खास चीजें जैसे साबूदाना वड़ा, तले हुए आलू या ज्यादा मसालेदार भोजन खाने का मन करता है, लेकिन ये सभी गैस बनने की समस्या को बढ़ा सकते हैं। तली–भुनी चीजें पचने में भारी होती हैं और पेट में असहजता पैदा करती हैं। इसलिए इनसे दूरी बनाना बेहतर है। इसके बजाय आप उबले हुए आलू, हल्की मूंगफली, दही या अन्य हल्के और पौष्टिक विकल्प चुन सकते हैं। कम मसाले वाला भोजन पेट के लिए आरामदायक होता है और गैस बनने की संभावना को कम करता है। व्रत के दौरान सही खान–पान और छोटी–छोटी सावधानियां अपनाकर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से आसानी से बच सकते हैं। जरूरी है कि आप अपने शरीर की जरूरतों को समझें और उसी अनुसार भोजन करें। अगर आप इन आसान नियमों को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपका व्रत आरामदायक और स्वस्थ तरीके से पूरा हो सकता है।

संक्षिप्त

स्टार्क–हेजलवुड टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले टीमों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आईपीएल के शुरुआती दौर से बाहर रह सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इन स्टार तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को देख रही है, इसलिए इन दोनों का शुरुआती कुछ मैच में अपनी टीमों के लिए खेलना मुश्किल है। स्टार्क आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और हेजलवुड रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्टार्क और हेजलवुड के अलावा अन्य कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी आईपीएल 2026 के पूरे सीजन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इससे पहले, सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस और जैक एडवर्ड्स भी टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से बाहर हो गए थे। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स के नाथन एलिस भी हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को अगले एक साल में 21 टेस्ट खेलने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड का दौरा करेगी, जबकि 2027 में वनडे विश्व कप होना है। स्टार्क ने पांचों एशेज टेस्ट खेले और बिग बैश लीग में भी हिस्सा नहीं लिया।टी20 क्रिकेट से संन्यास के कारण वह विश्व कप का हिस्सा नहीं थे। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा कि कमिंस और हेजलवुड की उपलब्धता टाइमिंग का मसला है। उन्होंने कहा, अगर इसका उलटा होता, आईपीएल पहले और विश्व कप बाद में होता तो वे विश्व कप खेलने के लिए पूरे आईपीएल से बाहर रहते। हम जानते हैं कि वे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना और जीतना चाहते हैं। आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। इसके लिए खिलाड़ी अपने–अपने टीमों से जुड़ रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी चोट या वर्कलोड के कारण अपनी टीमों से नहीं जुड़ सके हैं।

महंगे तेल और गैस संकट से छोटे और मझोले उद्योग पर पड़ा असर, जानें विशेषज्ञों की राय

मुंबई,एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतें जो लगातार बढ़ रही हैं और लगभग 114 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। वहीं एलपीजी की कमी ने भी कारोबारियों को परेशान कर दिया हैं। विशेषज्ञों का कहना है, भारत के एमएसएमई क्षेत्रों के लिए तेल की बढ़ती कीमतें परिचालन की लागत को बढ़ा रही हैं। लागत में वृद्धि होने से निर्माताओं और व्यापारियों के लिए माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है। नुवामा और क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार गैस और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान से टाइल्स निर्माताओं का कारोबार प्रभावित हो रहा है। उनके मुनाफे में कमी आई है और उत्पादन लगात भी बढ़ी है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक नितिन कंसल ने कहा पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से सिरेमिक उद्योग को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। विशेषकर गैस सप्लाई की उपल्ब्धता और विदेशी बाजार के लिए बढ़ी हुई लॉजिस्टिक लागत का सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। अगर यही स्थिति अगले दो से तीन हफ्ते तक बनी रहती हैं, तो इससे कंपनियों को लंबे समय के लिए बंद करना पड़ सकता है। इससे उन्हें काफी नुकसान हो सकता है और चालू वित्तीय वर्ष में रेवन्यू में एक से दो प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। नुवामा के अनुसार सिरेमिक उद्योग अपना 25 प्रतिशत हिस्सा निर्यात करता है, जो कि पश्चिम एशिया के बाजारों से जुड़ा हुआ है और वर्तमान में चल रहे सघर्ष की वजह से प्रभावित हुआ है। श्रीराम वेल्थ लिमिटेड के सीओओ और उत्पाद प्रमुख, नवल कागलवाला कहते हैं, एमएसएमई क्षेत्रों के लिए तेल की बढ़ती कीमतें परिचालन की लागत को बढ़ा रही हैं। लागत में वृद्धि होने से निर्माताओं और व्यापारियों के लिए माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है। प्लास्टिक, पैकेजिंग, केमिकल और कपड़े में उपयोग होने वाले पेट्रोकेमिकल जैसे कच्चे माल महंगे हो रहे हैं। कार्यशील पूंजी का दबाव बढ़ेगा, क्योंकि उच्च इनपुट लागत मार्जिन को कम करता है और कार्यशील पूंज वित्तपोषण की जरूरत को बढ़ाता है। वहीं दूसरी ओर भारत की तेल आयात पर अत्यधिक निर्भरता और रुपये के अवमूल्यन से छोटे व्यवसायों पर वित्तीय दबाव और बढ़ जाता है। जानकार कहते हैं अगर संघर्ष लंबे समय तक चलता है, तो कच्चे तेल और ऊर्जा क्षेत्रों में कीमतें उच्च स्तर पर पहुंचने की संभावना है। इसकी वजह से महंगाई बढ़ती है तो उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति कमजोर हो सकती है, जिससे एमएसएमई उत्पादों की मांग प्रभावित हो सकती है। हालांकि मौजूदा समय में शहरी और ग्रामीण बाजार में उपभोक्ता मांग स्थिर बनी हुई है। बावजूद इसके लोग सतर्क होकर अपनी खरीदारी कर रहे हैं।

भारत से वर्ल्ड कप मैच के लिए पाक हॉकी फेडरेशन लेगा सरकार से सलाह

करांची,एजेंसी। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) इस साल बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ खेलने के मामले में अपनी सरकार की सलाह लेगा। पाकिस्तान का ड्रामा खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। खेल को राजनीति से दूर करने की बात करने वाला पड़ोसी मुल्क लगातार राजनीति को खेल में शामिल कर रहा है। इससे पहले क्रिकेट में भी पाकिस्तान की गीदड़भभकियां सामने आई थीं, लेकिन बाद में उन्हें झुकना पड़ा था। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) ने टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान को 16 टीमों वाले इस वर्ल्ड कप के पूल डी में रखा गया है। हालांकि, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के अधिकारियों ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया कि 19 अगस्त को पहले राउंड के मैच में भारत के खिलाफ मैदान में उतरने के मामले में वे पूरी तरह से सरकार के फैसले का पालन करेंगे।

पुरुषों का हॉकी वर्ल्ड कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। 2018 में भारत के भुवनेश्वर में हुए टूर्नामेंट में 16 टीमों में से 12वें स्थान पर रहने के बाद, यह पाकिस्तान का पहला वर्ल्ड कप होगा। पाकिस्तान 2014 और 2022 के वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहा था। पाकिस्तान फील्ड हॉकी में चार बार का विश्व चौंपियन है, और उसने अपना आखिरी खिताब 1994 में जीता था। पीएचएफ इस समय एक अंतरिम व्यवस्था के तहत काम कर रहा है, जिसकी प्रबंधन समिति 27 मार्च को बैठक करेगी और इस मामले पर विचार–विमर्श करेगी। ओलंपियन समीउल्लाह ने टेलीकॉमएशियाडॉटनेट को बताया, श्हमें पता है कि पाकिस्तान और भारत को एक ही पूल में रखा गया है, इसलिए 27 मार्च को होने वाली कार्यकारी समिति की बैठक के एजेंडे में यह मुद्दा भी शामिल होगा। यह एक गंभीर मामला है, इसलिए हमें सरकार से सलाह लेनी होगी।

2008 के मुंबई हमलों के बाद से भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंध रोक रखे हैं, हालांकि दोनों देश बहु–राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में एक–दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। लेकिन पिछले साल, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के चलते, भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। राजनीतिक तनाव के चलते पाकिस्तान ने पिछले साल भारत में आयोजित हुए हॉकी एशिया कप और हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप, दोनों से ही अपना नाम वापस ले लिया था। मेंस टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी पाकिस्तान ने इसी तरह के दावे किए थे, तब पाकिस्तानी सरकार ने अपनी टीम से कहा था कि वह श्रीलंका के कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए मैदान पर न उतरे, लेकिन अंत में पाकिस्तान को अपना फैसला बदलना पड़ा। टी20 विश्वकप के दौरान पाकिस्तान ने भर–भर के ड्रामे किए थे। टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी से लेकर भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार की गीदड़भभकी तक दे डाली थी। लेकिन बाद में उन्होंने टी20 विश्वकप के साथ–साथ भारत के खिलाफ मैच भी खेला और फिर टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के बाद बाहर भी हो गए थे। हॉकी में भी पाकिस्तान टीम की हालत कुछ अच्छी नहीं है। टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। हाल ही में पाकिस्तान हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी, जहां उन्हें सड़कों पर समय बिताना पड़ा था और साथ ही होटल में बर्तन भी धोने पड़े थे। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों और वहां के हॉकी फेडरेशन के बीच जमकर विवाद हुआ था। अब पाकिस्तान हॉकी ने एक नया ड्रामा शुरू कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी फील्ड हॉकी मैच 30 सितंबर 2022 को एशियन गेम्स में हुआ था, जिसमें भारत ने 10–2 के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने पिछले सभी पांचों मुकाबले जीते हैं। पाकिस्तान को भारत से फिर से हारने का डर भी हो सकता है, इस वजह से ड्रामे शुरू कर रहा है।

संभावित खिलाड़ियों की तलाश आईपीएल से होगी ? चयनकर्ताओं की रहेगी नजरें

नई दिल्ली,एजेंसी। वनडे विश्व कप को होने में अभी एक साल से अधिक का समय शेष है, लेकिन भारत ने इसके लिए अभी से कमर कस ली है। भारत के 20 संभावित खिलाड़ियों का अनुमान लगाया जा चुका है और पांचों राष्ट्रीय चयनकर्ता 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनकर्ता समिति में एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे और ये टूर्नामेंट अगले साल अक्तूबर–नवंबर में होगा। चयन समिति के सदस्य अपने–अपने बेस में मैचों के दौरान मौजूद रहेंगे, जबकि बाकी मैच टीवी पर देखेंगे। आईपीएल के पहले मैच में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सीनियर अधिकारियों ने इस बात को खारिज किया है कि अगरकर ने वनडे विश्व कप तक अपने कार्यकाल का विस्तार मांगा है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, चयन समिति बीसीसीआई की एक उप समिति है और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का करार सितंबर में खत्म हो रहा है जिसके बाद बीसीसीआई सचिव और अगरकर तय करेंगे कि वह अगले साल वनडे विश्व कप तक रहेंगे या नहीं। एक सीनियर चयनकर्ता चार साल तक पद पर रह सकता है और उसे करार बढ़ाने का अनुरोध ा करने की जरूरत नहीं है। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उन्होंने विराट कोहली तथा रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टेस्ट और टी20 में बदलाव का दौर देखा है। अगरकर मुंबई में रहते हैं, जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं, जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे। टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे। चयन समिति मुल्लांपुर में छह से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारेगी।

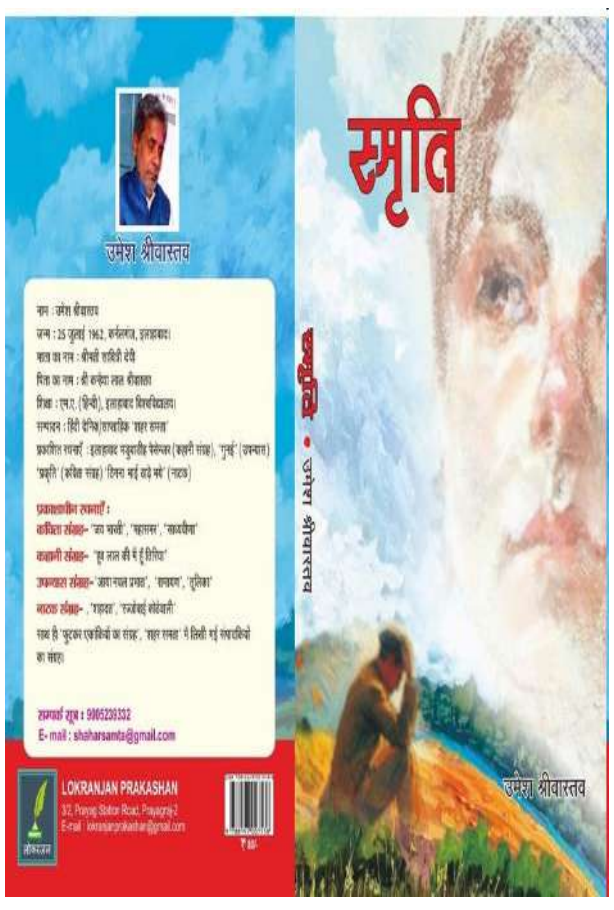

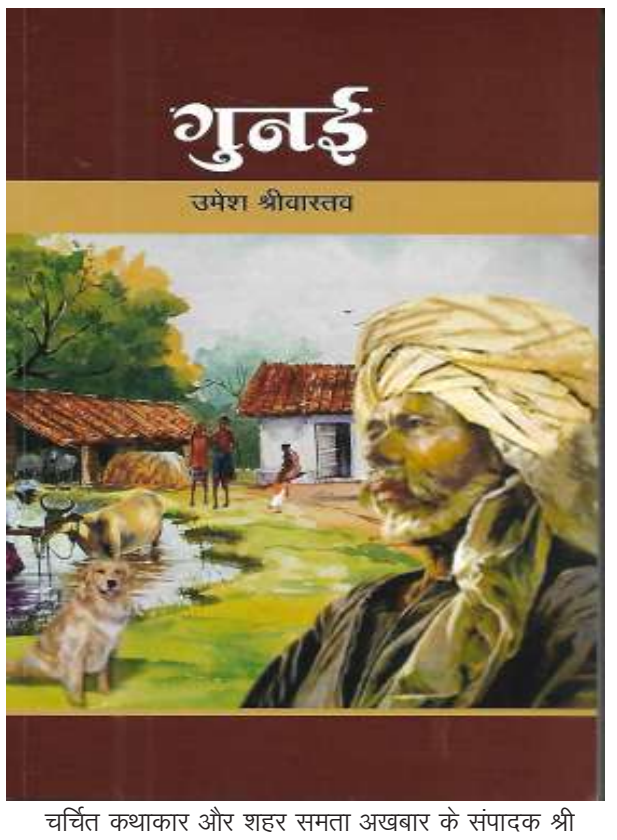

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

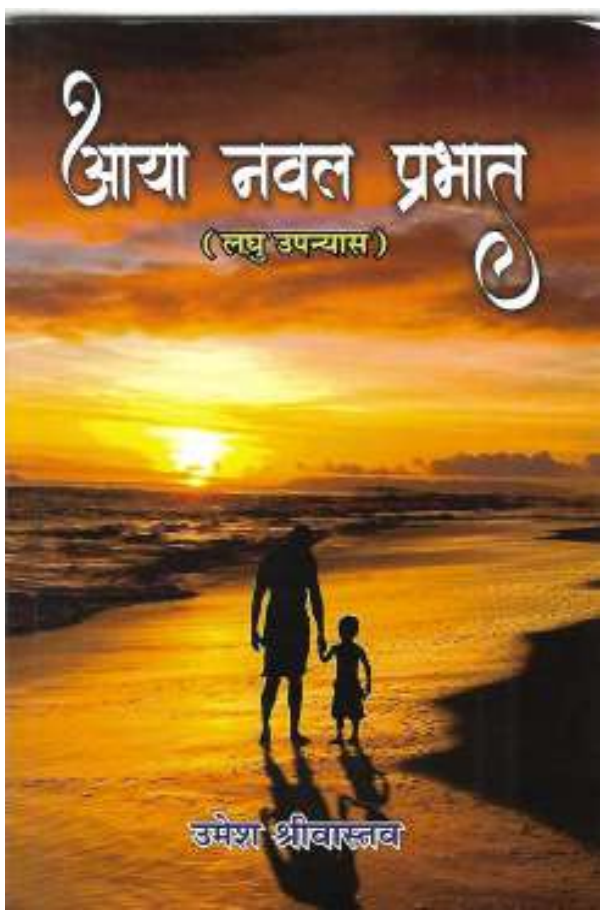

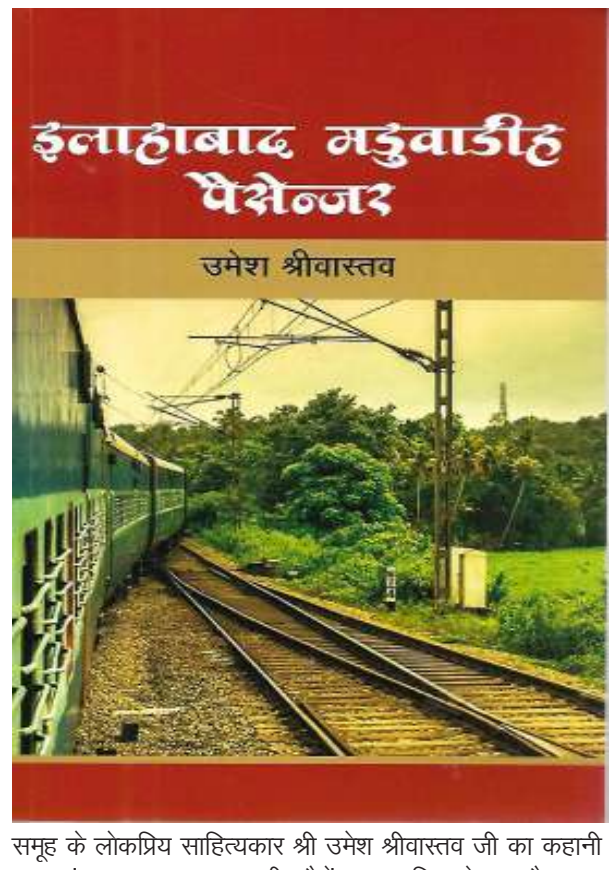

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

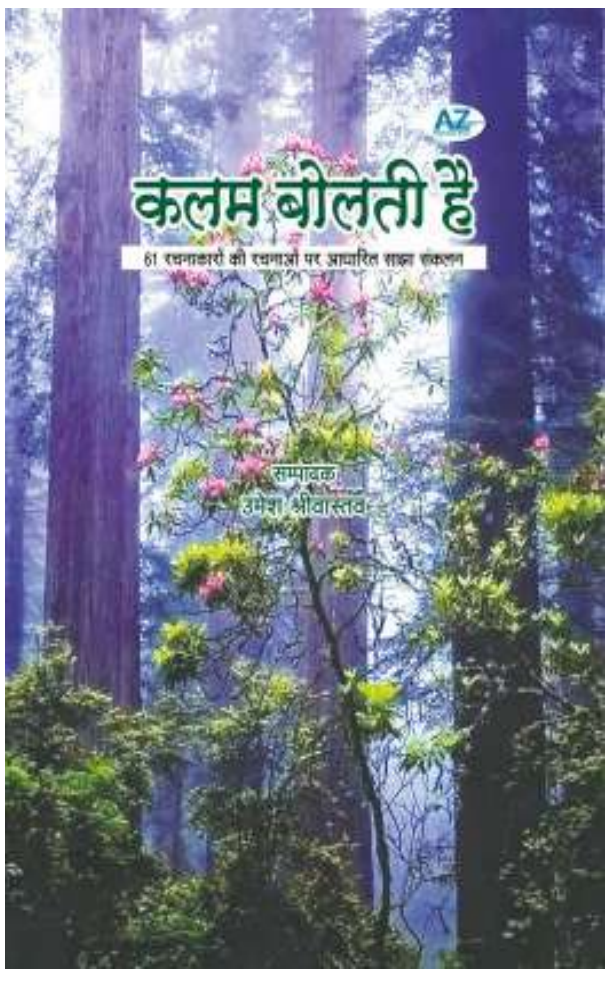

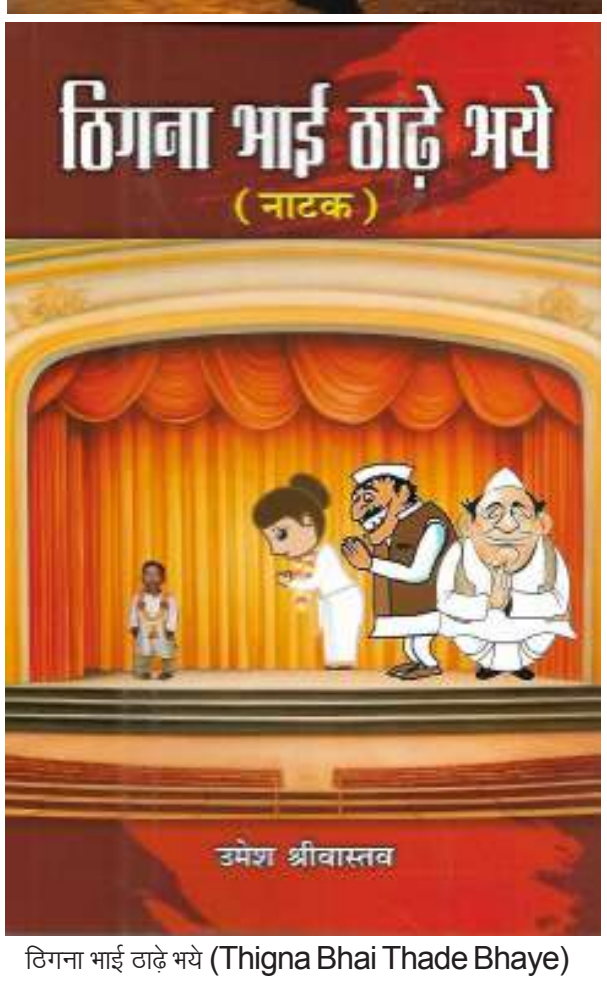

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान का दावा- अमेरिकी एफ -35 लाइटनिंग विमान पर इतिहास में पहला हमला, यूएस ने की आपात लैंडिंग की पुष्टि

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार को सुबह 2:50 बजे मध्य ईरान के हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एफ–35 स्टील्थ लड़ाकू विमान को निशाना बनाने का दावा किया।

आईआरजीसी के अनुसार, विमान के क्रैश होने की बहुत ज्यादा संभावना है। दूसरी तरफ, सीएनएन रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों के हमले के बाद एक एफ–35 विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने पुष्टि की कि विमान ईरान के ऊपर एक मिशन पर था। उन्होंने बताया कि विमान सुरक्षित उतर गया है और पायलट की हालत स्थिर है। फिलहाल इस घटना की जांच चल रही है। बतादें कि, एफ–35 दुनिया के सबसे महंगे विमानों में से एक है और इसकी कीमत 100 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा है। अगर ईरान का यह दावा पूरी तरह सच साबित होता है, तो यह इस युद्ध की सबसे बड़ी सैन्य उपलब्धि होगी। ब्लूमबर्ग और सीएनएन रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान हुआ है। इस युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना को कुछ और नुकसान भी उठाने पड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने गलती से अमेरिका के तीन एफ–15 ईगल विमानों को मार गिराया। हालांकि, इन विमानों के सभी छह क्रू सदस्य सुरक्षित बच गए। इसके अलावा, पिछले हफ्ते इराक में अमेरिका का एक केसी–135 स्ट्रैटोटैंकर विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार सभी छह सदस्यों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना ने कहा है कि यह क्रैश किसी दुश्मन के हमले की वजह से नहीं हुआ था। इन तमाम घटनाओं के बावजूद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया है कि अमेरिका निर्णायक रूप से जीत रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। इस बीच सीएनएन की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया था गया कि, अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए ओकिनावा से मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और त्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप को तैनात करने का फैसला किया है। अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली को हाल ही में सिंगापुर के पास देखा गया था।

'मुझे इस अपराध की नहीं थी जानकारी', 20 साल तक एपस्टीन के वकील रहे इंडाइक का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए–नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच अमेरिका में एपस्टीन के लंबे समय तक निजी वकील रहे डैरेन इंडाइक ने हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें एपस्टीन की तरफ से नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण की जानकारी उस समय नहीं थी। हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने दिए गए अपने बयान इंडाइक ने यह भी जोड़ा कि अगर उन्हें पता होता, तो वह एपस्टीन के घिनौने खेल का हिस्सा बनने से खुद को तुरंत अलग कर लेते। उनके बयान ने जांच में नई हलचल पैदा कर दी है और सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर इतने बड़े कुकृत्यों के बावजूद एपस्टीन के करीबियों ने कैसे आंखें बंद रखीं। बता दें कि इंडाइक लगभग 20 साल तक एपस्टीन के वकील रहे। उनके अलावा एपस्टीन के पूर्व अकाउंटेंट रिचर्ड कान, उनके बड़े ग्राहक लेस वेक्सनर और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े आरोपों में शामिल अन्य लोग भी कमेटी को बता चुके हैं कि उन्हें शोषण की जानकारी नहीं थी। दूसरी ओर डेमोक्रेट सदस्यों ने इंडाइक के जवाबों को रक्षा की मुद्रा वाला बताया। उन्होंने कहा कि वे और उनके सहयोगी कान बार–बार सच छुपा रहे हैं। दोनों ही एपस्टीन की संपत्ति के निष्पादक हैं और इस साल उन्होंने उनके खिलाफ चल रही क्लास एक्शन केस को +35 मिलियन में सुलझाने पर सहमति जताई, जिसमें उन पर एपस्टीन की अवैध गतिविधियों में वित्तीय लाभ लेने का आरोप था। कमेटी ने एपस्टीन की संपत्ति से और दस्तावेज जारी करने की मांग की, खासकर उन मामलों से जुड़े जो वर्जीनिया गिउफ्रे ने गिस्लेन मैक्सवेल के खिलाफ दाखिल किए थे। वहीं, डेमोक्रेट सदस्यों ने 2019 के एक आरोप पर भी सवाल किया जिसमें एक महिला ने ट्रंप के खिलाफ बयान दिया था। हालांकि, कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष जेम्स कोमर ने कहा कि ट्रंप का इससे कोई संबंध नहीं है और डेमोक्रेट केवल राष्ट्रपति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

ईरान खत्म या अब भी खतरा बरकरार?: ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन में बयानबाजी से टकराव, युद्ध को लेकर भी उठे कई सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका के भीतर ही ईरान को लेकर विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार–बार दावा कर रहे हैं कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है, वहीं उनके ही प्रशासन के कुछ अधिकारी इसे संभावित खतरा बता रहे हैं। इस विरोधाभास ने युद्ध के असली कारणों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी में हुई सुनवाई के दौरान अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कई अहम सवालों से बचते हुए बयान दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

'साउथ पार्स पर अब और हमले नहीं': नेतन्याहू ने मान ली ट्रंप की बात, अब तेल–गैस के ठिकाने नहीं बनेंगे निशाना ?

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तनाव ने ऊर्जा बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला है। गुरुवार को ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस के प्रतिष्ठानों पर मिसाइल हमले तेज कर दिए। यह हमले इस्राइल के दक्षिणी गैस क्षेत्र साउथ पार्स पर हमला करने के जवाब में किए गए। इन हमलों के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं और क्षेत्र के अरब देशों को सीधे संघर्ष में शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है। ईरान की कार्रवाई के कारण कतर, सऊदी अरब और यूएई के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। इतना ही नहीं कतर के रास लफ्फान एलएनजी संयंत्र को भारी क्षति हुई है, जिससे यूरोप और एशिया के लिए गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसी तरह, सऊदी अरब के यानबू पोर्ट में स्थित रिफाइनरी और कुवैत के तेल रिफाइनरियों को भी निशाना बनाया गया। ऐसे में अब इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? हमलों के बाद बढ़ते ऊर्जा संकट और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद इस्राइली पीएम ने साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमले को लेकर अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सलाह पर साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर और हमले नहीं होंगे। इतना ही नहीं नेतन्याहू ने अपने बयान में ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल के 20 दिन के हवाई हमलों के बाद ईरान के पास अब यूरेनियम समृद्ध करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं बची है। अब ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार भारी नुकसान झेल रहा है और जल्द ही पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। इसके साथ ही नेतन्याहू ने कहा कि हम जीत रहे हैं और ईरान को बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हम अब उन फैक्ट्रियों को नष्ट कर रहे हैं जो इन मिसाइलों और परमाणु हथियारों के घटक तैयार करती हैं। हालांकि, नेतन्याहू ने अपने इन बयानों और दावों को लेकर किसी भी प्रकार के कोई सबूत सबूत नहीं पेश किया। बता दें कि नेतन्याहू का बयान उस समय आया जब इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप से प्रेस वार्ता में पूछा गया कि क्या उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से तेल और गैस क्षेत्रों पर हमले को लेकर बात की, तो ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऐसा न करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तालमेल है। लेकिन इस्राइल कभी–कभी अपने फैसले खुद लेता है और अगर उन्हें कुछ पसंद नहीं आता तो वह उसे रोकते हैं। इस युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जबकि यूरोपीय प्राकृतिक गैस की कीमत भी लगभग दोगुनी हो गई है। इसके अलावा, ईरान ने खाड़ी में नौसेना और ड्रोन हमलों को भी तेज किया है। ईरान के हमले से इस्राइल में लाखों लोग सुरक्षा आश्रयों में चले गए। अमेरिकी सेना ने ईरानी इलाके में गहरी हवाई कार्रवाई की, ड्रोन और नावों पर हमले किए और भूमिगत हथियार भंडार पर 5,000 पाउंड के बम गिराए। गौरतलब है कि इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को संकट में डाल दिया है, क्योंकि खाड़ी की महत्वपूर्ण जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए विश्व के तेल का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। युद्ध की बढ़ती लागत के कारण अमेरिकी पेंटागन ने व्हाइट हाउस से 200 अरब डॉलर अतिरिक्त फंड की मांग की है।

शीर्ष पुलिस अफसर बोले, भारतीय एजेंटों से खतरा नहीं, क्या और मजबूत हो रहे भारत.कनाडा संबंध?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही तल्खी अब पूरी तरह खत्म होती नजर आ रही है। हाल ही में कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा के बाद अब कनाडा की सुरक्षा एजेंसी श्रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिसश् के कमिश्नर का एक बड़ा बयान सामने आया है। इसे अब भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है। भारत और कनाडा के रिश्तों में जमी बर्फ अब पूरी तरह पिघल चुकी है। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की सफल भारत यात्रा के ठीक बाद अब कनाडा की राष्ट्रीय पुलिस सेवा ने भारत पर लगे गंभीर आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस कमिश्नर माइक डुहेम ने साफ.साफ कहा है कि वर्तमान में कनाडा में रहने वाले लोगों को भारत सरकार के किसी भी एजेंट से कोई खतरा नहीं है। पुलिस कमिश्नर माइक डुहेम ने कहा कि अभी हमारे पास ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है जो किसी भी विदेशी संस्था की भूमिका का प्रमाण देता हो। संबंधित फाइलों में ऐसे कई लोगों के नाम हैं जो लोगों को डराने और परेशान करने में शामिल हैं। हालांकिए ये लोग किसी विदेशी संस्था या किसी देश से संबंधित हैंए इसका हमारे पास कोई सबूत नहीं है। एक समय था जब पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान कनाडा ने सीधे तौर पर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के तार भारतीय एजेंसियों से जोड़े थे। लेकिन अब कमिश्नर माइक डुहेम के सुर बदले हुए हैं। अब उन्होंने कहा कि फिलहाल जो कड़ियां हमारे सामने हैंए वे किसी विदेशी संस्था या भारत सरकार से नहीं जुड़ रही हैं। उन्होंने यह भी माना कि 2024 में उन्होंने जो बयान दिए थेए वे उस समय की सीमित जांच पर आधारित थेए लेकिन आज की स्थिति और साक्ष्य बिल्कुल अलग हैं। कनाडा के सरेए ब्रैम्पटन और कैलगरी जैसे शहरों में पिछले काफी समय से हो रही उगाही की घटनाओं में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम उछाला जा रहा था। इस पर कमिश्नर ने कहा कि हर मामले को सीधे बिश्नोई गैंग से जोड़ना गलत है। कई अपराधी केवल खौफ पैदा करने के लिए इस नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे अहम बात यह कि कनाडा के जांच एजेंसियों को ऐसे कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं जो इन आपराधिक गतिविधियों का संबंध भारत सरकार से जोड़ते हों। भारतीय राजनयिकों की कनाडा वापसी को लेकर पुलिस कमिश्नर ने आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस हर तरह की धमकी पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना डरे पुलिस को रिपोर्ट करें। कनाडा की टॉप पुलिसिंग बॉडी का यह बयान इस बात की तस्दीक करता है कि दोनों देशों के रिश्तों में अब नया सवेरा हो चला है।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी

निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। इससे पहले पाकिस्तान ने ईद–उल–फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, श्आगामी इस्लामी त्योहार ईद–उल–फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तानी हवाई हमले में अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया। इसके चलते अस्पताल में इलाज करा रहे नशा पीड़ितों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। यह हमला अफगान अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों के बीच साझा सीमा पर गोलीबारी की घटना के कुछ घंटों बाद हुआ।

सैन्य अभ्यास के दौरान पिता के साथ दिखीं 13 वर्षीय बेटी जू, किम जोंग उन ने हथियार और टैंक भी दिखाए

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन

एक बार फिर अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें किम और उनकी बेटी एक टैंक पर सवार दिखाई दे रहे हैं। यह सैन्य अभ्यास गुरुवार को हुआ था। इससे कुछ दिन पहले ही दोनों को रॉकेट लॉन्च देखते और पिस्तौल से फायरिंग करते हुए देखा गया था। उत्तर कोरिया आधिकारिक समाचार एजेंसी केसीएनए (केसीएनए) ने बताया कि किम जोंग उन ने टैंक यूनिट और पैदल सेना के युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेना से युद्ध की तैयारियों को पूरी तरह पुख्ता करने का आह्वान किया। तस्वीरों में किम और उनकी बेटी काले रंग की लेदर जैकेट पहने हुए हैं। वे एक जैतून के हरे रंग के टैंक पर बाकी सैनिकों के साथ बैठे हैं। एक तस्वीर में किम की बेटी टैंक के ऊपरी हिस्से (हैच) से अपना सिर बाहर निकालकर देख रही है, जबकि किम मुस्कुराते हुए टैंक के ऊपर बैठे हैं। किम की बेटी का नाम किम जू ऐ बताया जाता है और उसकी उम्र करीब 13 साल है। वह साल 2022 के अंत से अपने पिता के साथ कई महत्वपूर्ण सैन्य और अन्य बड़े कार्यक्रमों में दिखाई दे रही है। मीडिया में अक्सर ऐसी तस्वीरें आती हैं जो पिता और बेटी के बीच करीबी रिश्ते को दिखाती हैं। पिछले हफ्ते भी दोनों ने एक हथियार कारखाने का दौरा किया था और वहां पिस्तौल से निशाना लगाया था। इसके अलावा उन्होंने कई रॉकेट लॉन्च सिस्टम का परीक्षण भी देखा। पिछले साल सितंबर में वह अपने पिता के साथ बीजिंग भी गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि किम जोंग उन अपनी बेटी को उत्तराधिकारी घोषित करने के बहुत करीब हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका तर्क है कि किम जोंग उन अभी काफी युवा हैं। साथ ही उत्तर कोरिया की सत्ता में हमेशा पुरुषों का ही दबदबा रहा है। उत्तर कोरिया का यह सैन्य अभ्यास ऐसे समय में हुआ है ।

पीएम नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा, दावा- ईरान की परमाणु-मिसाइल क्षमता लगभग खत्म

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है। विदेशी मीडिया से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया। नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, श्क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?श नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं। अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, श्सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।श उन्होंने ईरान के मुद्दे पर ट्रंप के साथ अपनी आपसी समझ की तारीफ की और कहा कि पूरी दुनिया ट्रंप की कर्जदार है।

नेपाल : बालेंद्र शाह 27 को लेंगे पीएम पद की शपथ और सांसद 26 मार्च को, चुनाव में आरएसपी को मिली थीं 182 सीटें

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह 27 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक दिन पहले सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी। 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में आरएसपी ने 182 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। पार्टी ने चुनाव से पहले ही बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने, वरिष्ठ नेता शाह तथा उपाध्यक्ष द्वय डीपी अर्याल और स्वर्णिम वाग्ले के बीच हुई बैठक में शपथ की तारीख तय की गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पीएम पद की शपथ से पहले 26 मार्च को संघीय संसद सचिवालय ने 26 मार्च को दोपहर 2 बजे सांसदों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम तय है। इसके तुरंत बाद आरएसपी सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। संघीय संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी के अनुसार सिंहदरबार परिसर के भीतर निर्माणाधीन नए संसद भवन के पूरी तरह तैयार न होने के कारण शपथ ग्रहण समारोह अस्थायी हॉल में होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर माइक्रोफोन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की स्थापना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नेपाल के निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह शुक्रवार दोपहर को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को चुनाव के अंतिम नतीजे पेश करेगा। प्रतिनिधि सभा के चुनाव पांच मार्च, 2026 को हुए, जिसमें 275 सदस्यीय निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के लिए मतदान हुआ। निचले सदन में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 182 सीटें, नेपाली कांग्रेस को 38 सीटें, सीपीएन–यूएमएल को 25, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 17, श्रम संस्कृति पार्टी को सात और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को पांच सीटें मिली हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।